छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

वर्ष - 05 अंक - 26 बैकुंठपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

सरगुजा विकास प्राधिकरण की राज्य स्तरीय बैठक

जशपुर के विकास में मील का पत्थर, जशपुर की मेजबानी में होगी बड़ी बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। सरगुजा विकास प्राधिकरण की राज्य स्तरीय बैठक का जशपुर जिले में आयोजन एक महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक अवसर है। यह बैठक न केवल जशपुर जिले के लिए बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के विकास के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। इस बैठक से जिले के विकास को गति मिलेगी और यहां के लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा। हमें उम्मीद है कि इस बैठक में लिए गए निर्णयों का सकारात्मक प्रभाव जशपुर जिले और पूरे सरगुजा संभाग पर पड़ेगा।

सरगुजा विकास प्राधिकरण की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन जशपुर जिले के कुनकुरी के मयली नेचर कैम्प में किया गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस बैठक में उपमुख्यमंत्री, मंत्री, क्षेत्र के सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला कलेक्टर और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे। सरगुजा क्षेत्र का विकास मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की प्राथमिकता में है। इस बैठक में लिए गए निर्णयों से क्षेत्र का कायाकल्प होगा और यहां के लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

जशपुर जिले में इस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन होना जिले के लिए गौरव का विषय है। इस आयोजन के लिए जिला प्रशासन व्यापक रूप से तैयारी कर रहा है। बैठक स्थल को भव्य रूप से सजाया जा रहा है और अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किए जाने की जानकारी मिली है। इस बैठक में सरगुजा संभाग के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। स्थानीय मुद्दों पर चर्चा- स्थानीय लोगों की समस्याओं और मांगों पर इस बैठक में गंभीर चर्चा एवं विचार विमर्श होगा और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। निवेश को आकर्षित करना- इस बैठक के माध्यम से निवेशकों को सरगुजा संभाग में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सरगुजा संभाग में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस बैठक में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी इस बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। विकास कार्यों में तेजी- जिले में विकास कार्यों को गति मिलेगी। सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा। रोजगार के अवसर- निवेश बढ़ने से जिले में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। कृषि विकास- कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। पर्यटन विकास- जिले के पर्यटन स्थलों का विकास होगा जिससे पर्यटन आय में वृद्धि होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार- जिले में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा।

यह बैठक पूरे सरगुजा संभाग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस बैठक मे लिए गए निर्णयों से क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी और यहां के लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा। सरगुजा विकास प्राधिकरण का गठन छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए किया गया है। इस प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य सरगुजा संभाग के पिछड़ेपन को दूर करना, क्षेत्र के संसाधनों का समुचित उपयोग करना और यहां के लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

जशपुर जंबूरीः देशदेखा में युवाओं के लिए रोमांचक उत्सव

जंबूरी उत्सव 17 से 20 अक्टूबर तक आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जशपुर का देशदेखा पहाड़ी चार दिवसीय युवा उत्सव जशपुर जंबूरी का साक्षी बन रहा है, जो छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सतत प्रयासों से आयोजित हो रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जशपुर की संस्कृति, पर्यटन और युवा शक्ति को एक मंच पर लाना है, जिसमें देशभर के युवा विभिन्न सांस्कृतिक और साहसिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा देशदेखा में युवाओं के लिए जशपुर जंबूरी का आयोजन 17 से 20 अक्टूबर 2024 तक किया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ.रवि मित्तल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार के दिशा-निर्देश में जशपुर जंबूरी का आयोजन उत्सव के रूप में किया जा रहा है। उत्सव में पहला दिन 17 अक्टूबर 2024 को समारोह उद्घाटन, पारंपरिक नृत्य, चित्रकारी तकनीक सांस्कृतिक संगीत प्रदर्शन, शाम की लाइट परेड का आयोजन होगा। इसी तरह दूसरा दिन 18 अक्टूबर 2024 को योग और कल्याण सत्र, इंटरएक्टिव आर्ट इंस्टालेशन, स्थानीय थिएटर प्ले, खाद्य और शिल्प मेला, गाला डिनर, तीसरा दिन 19 अक्टूबर 2024 को बच्चों का गतिविधि मेला, फोटोग्राफी प्रदर्शनी, मिट्टी के बर्तनों की कार्यशाला, सांस्कृतिक संगीत प्रदर्शन, शाम नृत्य पार्टी एवं चौथा दिन 20 अक्टूबर 2024 को फैमिली फन डे, सामुदायिक कला और समारोह का समापन किया जाएगा।

यह आयोजन न केवल जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित कर रहा है, बल्कि युवाओं के बीच आपसी संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने का भी एक अनूठा प्रयास है। युवाओं को एडवेंचर स्पोर्ट्स, जैसे क्लाइम्बिंग और नैचरल वॉक जैसी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिल रहा है।

रायगढ़ के रोशन सिंह ने कहा जशपुर की खूबसूरती देख कर बहुत अच्छा लगा और साहसिक खेलों में भाग लेने का मौका मिलना एक बेहतरीन अनुभव रहा। रांची की दीपिका रानी ने भी जशपुर के प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा करते हुए कहा यहां की खूबसूरती अभिभूत करने वाली है।

कार्यक्रम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भी उपस्थिति रही, जिनमें आकाश गुप्ता, सिद्धांत दुबे और मयंक कर्रा जैसे नाम प्रमुख हैं। इसके साथ ही स्थानीय संगठन जशप्योर, ट्रीपी हिल्स और प्लेस ऑफ पॉसिबिलिटी ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जशपुर जंबूरी के इस आयोजन ने साबित कर दिया है कि यह क्षेत्र न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाएगा, बल्कि युवाओं के रोमांच और एकता का प्रतीक भी बनेगा।

राष्ट्रीय क्रिकेट टीम महिला अंडर-17 में जशपुर की तीन खिलाड़ियों का हुआ चयन

जशपुरनगर। क्रिकेट को भारत में खेल नहीं बल्कि जुनून के रूप में जाना जाता इस जुनून का रंग अब जशपुर की बेटियों में भी नजर आ रहा है। जहां जशपुर की बेटियां ना सिर्फ राज्य अपितु राष्ट्रीय स्तर पर जिले का परचम लहराने के लिए तैयारी कर रहीं हैं। इसमें विशेष यह है कि जशपुर जिले में संचालित प्री मेट्रिक बालिका छात्रावास इचकेला की 03 बालिकाओं का चयन अम्बिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 महिला अंडर-17 में अच्छे प्रदर्शन के द्वारा रजत पदक प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम के अंडर-17 दल में हो गया है। चयनित खिलाड़ियों में एंजल लकड़ा, झुमुर तिर्की और वर्षा बाई शामिल है। जो आगामी महिला अंडर-17 राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 में सम्मिलित होगें। इसके संबंध में छात्रावास की अधीक्षिका पंडरी बाई ने बताया कि उनकी बेटी आकांक्षा रानी जब छोटी थी तब उन्होंने उसकी रुचि क्रिकेट में देखी और उसे अच्छे स्तर पर कोचिंग दिलाई और उसने राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति हासिल की फिर जब उन्होंने अपने छात्रावास की बच्चियों की ओर देखा तो सभी में अपनी बेटी के समान ही छुपी प्रतिभा को पाया और ठान लिया की वो उन बच्चियों के लिए भी एक बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगी। उन्होंने आगे बताया कि उसके बाद उन्होंने छात्रावास में ही अभ्यास पिच का निर्माण करवाया, फिर बच्चों के लिए बेहतर क्रिकेट सामग्रियां भी ली और अपनी बेटी एवं उसके कोच के माध्यम से बच्चियों की ट्रेनिंग चालू की। जल्द ही इसका परिणाम सामने आने लगा एक एक कर छात्रावास की सभी बच्चियों की प्रतिभा बाहर आने लगी। आज सरगुजा संभाग की क्रिकेट टीम में 13 बच्चियां जशपुर की हैं और 11 तो इचकेला छात्रावास की ही हैं। इसके अलावा तीन बच्चियों का चयन राष्ट्रीय महिला क्रिकेट के अंडर-17 दल में हुआ है और एक बालिका का चयन बीसीसीआई की अंडर 19 दल में भी हुआ है। हमें शासन प्रशासन का समय समय पर योगदान एवं भी मिलता रहा जिसके लिए हम आभारी हैं। 10वीं कक्षा की वर्षा बाई ने बताया कि छात्रावास में अधीक्षिका के द्वारा हमें निरन्तर प्रशिक्षण एवं सहायता उपलब्ध करायी जा रहा है जिससे हमें प्रोत्साहन मिलता है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओः स्कूलों में जन जागरूकता अभियान का सफल आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। सोनहत विकासखंड के विभिन्न स्कूलों में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में गठित एक संयुक्त दल ने किया।

यह कार्यक्रम सोनहत के सभी हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों के साथ-साथ पटना, रनई, कटकोना, मूरमा, अंगा, डुमरिया, आंजोखूर्द, बरदिया, छिन्दियां, जमगहना और तरगवां के स्कूलों में भी आयोजित किया गया। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर की जानकारी देना था, साथ ही छात्राओं को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, घरेलू हिंसा और महिला हेल्पलाइन 181 के बारे में जागरूक करना था। इस दौरान नैतिक शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस अभियान में बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। गुड टच-बैड टच जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे छात्राओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने की प्रेरणा मिली।

महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से इस अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इस जागरूकता अभियान से न केवल छात्रों बल्कि अभिभावकों और शिक्षकों में भी बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

18 अक्टूबर को होने वाला जनसमस्या निवारण शिविर स्थगित

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले के बचरा-पोड़ी के पोड़ी में 18 अक्टूबर को आयोजित होने वाला जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा नई तिथि की जानकारी पृथक से दी जाएगी। यह शिविर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उनका त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। जनसमस्या निवारण शिविर में आमतौर पर नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं जैसे जमीन, पेयजल, सड़क, बिजली और सरकारी योजनाओं से जुड़े मुद्दों को प्रशासन के समक्ष रखते हैं।आगामी शिविर की तिथि के बारे में प्रशासन द्वारा अलग से सूचित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर सकेंगे।

मैदानी कर्मचारियों को दिया गया गुड गवर्नेंस के लिए प्रशिक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के जनपद पंचायत खड़गवां के सामुदायिक भवन सभाकक्ष में गुड गवेर्नेन्स के चार गतिविधि के सम्बन्ध में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत गुड गवर्नेन्स के चार गतिविधियों परिवार रोजगार कार्ड का सत्यापन एवं अद्यतन किया जाना, केश रिकार्ड/कार्य नस्ती का संधारण, नागरिक सूचना पटल बनाया जाना तथा सात पंजियों का संधारण के क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर के कर्मचारियों का आयोजित कार्याशाला में जानकारी देने एवं क्षमतावर्धन करने के निर्देश दिये गये। उक्त प्रशिक्षण में पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक रोजगार एवं तकनिकी सहायक सहित 112 कर्मचारी उपस्थित रहे। इन सभी कर्मचारियों को गुड गवर्नेंस के चारों गतिविधियों के सम्बन्ध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनोद गुप्ता, सहायक विस्तार अधिकारी राम कुमार लकड़ा एवं कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा राजनारायण सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

दावा आपत्ति के निराकरण उपरांत वरीयता सूची का प्रकाशन

बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (डब्लूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0) के तहत बैकुण्ठपुर और भरतपुर (एमसीबी) परियोजनाओं में विभिन्न पदों की भर्ती के लिए वरीयता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। जिला कोरिया के उप संचालक कृषि सह परियोजना प्रबंधक डब्लूसीडीसी से मिली जानकारी के अनुसार, इन परियोजनाओं में डब्लूडीटी सदस्य (यांत्रिकी, आजीविका और समूह विकास) के पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। प्राप्त आवेदनों और दावा-आपत्ति के निराकरण के बाद इन पदों के लिए अंतिम वरीयता सूची तैयार की गई है। इच्छुक आवेदक जिला कोरिया की आधिकारिक वेबसाइट और जिला एमसीबी की वेबसाइट पर जाकर वरीयता सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

नए वी क्लब चरचा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़। समाजसेवी संस्था द एसोसिएशन ऑफ वी क्लब ऑफ इंडिया डिस्ट्रिक्ट 323-ल3 के अंतर्गत आने वाले नए वी. क्लब संकल्प चरचा का गरिमामय शपथ ग्रहण बैकुंठपुर के होटल गंगाश्री में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि व शपथ अधिकारी डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट वी. अनीता फरमानिया मनेंद्रगढ़ एवं अति विशिष्ट अतिथि एरिया वन की एरिया ऑफिसर वी.पम्मी अरोड़ा मनेंद्रगढ उपस्थित रहीं। डिस्टिक प्रेसिडेंट वी अनीता फरमानिया के द्वारा सभी सदस्यों को शपथ दिलाई गई। एरिया ऑफिसर पम्मी अरोड़ा ने डिस्ट्रिक्ट व क्लब की प्रशासनिक व आवश्यक सेवा गतिविधि के बारे में जानकारी दी। वी क्लब संकल्प चर्चा की अध्यक्ष झुमूर डे, सचिव शिल्पा शर्मा, कोषाध्यक्ष नीलम सिंह एवं पी आर ओ खुशबू सिंह टेमर, कांति राजवाड़े, टेल ट्विस्टर उर्मिला, उपाध्यक्ष शबनम, नम्रता, सह सचिव किरण, संचालक मंडल ऋचा श्रीवास्तव, रूपा पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन कविता मंडल विश्वास एवं सभी क्लब सदस्यों ने पूर्ण निष्ठा ईमानदारी से काम करने की शपथ ली। सभी सदस्यों में भरपूर जोश व उमंग से काम करने के प्रति जुनून दिखा। शपथ विधि के पश्चात अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष ने अपने अपने उद्बबोधन दिऐ उसके पश्चात स्मृति चिन्ह से अतिथियों सम्मान हुआ राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्ति की घोषणा व आभार प्रदर्शन किया गया चित्राणी बंग, उर्मिला, किरण, खुशबू सिंह, सरिता श्रीवास्तव, नीलम सिंह, ऋचा श्रीवास्तव, कविता विश्वास, शिल्पा शर्मा, झुमुर डे, रूपा, सरिता शर्मा, प्रेम शीला पासवान, अंशु, मधु, विवेक आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

फरार आरोपियों को पकड़ने के लिये जशपुर पुलिस ने किया नगद ईनाम घोषित

छ.ग.फ्रंटलाइन कुनकुरी। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से फरार अपराधियों पकड़ने के लिये नगद ईनाम की उद्घोषणा की गई है, यह उद्घोषणा जशपुर जिले के विभिन्न थानों में दर्ज विभिन्न अपराधों में शामिल रहे फरार आरोपियों के लिये जारी किया गया है। प्रत्येक उद्घोषणा में 5000/- रूपये नगद ईनाम की उद्घोषणा की गई है। फरार आरोपियों की सूचना देने वाले का नाम पूर्णत: गोपनीय रखा जावेगा, यह ईनाम उन लोगों को प्रोत्साहित करने के लिये दिया जा रहा है, जो पुलिस को इन अपराधियों को पकड़ने में मदद करना चाहते हैं। पहले प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना सिटी कोतवाली जशपुर के अपराध क्रमांक-244/2011 धारा 365, 376 (च) 307, भादवि के फरार आरोपी अन्नू घांसी पिता किनवा घांसी उम्र 25 साल निवासी आरा चौकी आरा जिला जशपुर का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 02.10.2011 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए निवास से फरार है। दूसरे प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना सिटी कोतवाली जशपुर के अपराध क्रमांक-301/2022 धारा 153ए, 505 (1) (बी) 295 ए भा.द.वि. के फरार आरोपी प्रेम कुमार गेडाम राष्ट्रीय नेता निवासी चन्द्रपुर सिटी (महाराष्ट्र) का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 07.09.2022 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिये फरार चल रहा है। तीसरे प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना कुनकुरी के अपराध क्रमांक- 50/2023 धारा 392,395 भादवि. के फरार आरोपी कृष्णा यादव पिता शिबो राम यादव 20 साल निवासी बिदुरपुर यादवपारा थाना फरसाबहार जिला जशपुर का निवासी है। चौंथे प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना कुनकुरी के अपराध क्रमांक 32/2023 धारा छ.ग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10 के फरार आरोपी मो. शहीद खान पिता गुलजार खान 40 साल निवासी गोविन्दपुर थाना जारी जिला गुमला (झारखण्ड) का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 03.01.2023 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए निवास से फरार है। पाँचवें प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना कुनकुरी के अपराध क्रमांक 53/2022 धारा छ.ग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10 के फरार आरोपी लाल खान उर्फ लल्लू खान पिता नाजीर खान उम्र 31 साल निवासी सांईटांगरटोली थाना लोदाम जिला जशपुर का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 15.03.2022 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिये फरार चल रहा है। छंठवे प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना तपकरा चौकी करडेगा के अपराध क्रमांक- 91/2019 धारा 307, 450, 398, 34 भादवि के फरार आरोपी उमेश यादव पिता जोधन यादव निवासी धुरीअम्बा चौकी करडेगा जिला जशपुर का निवासी है। उक्त आरोपी दिनांक 27.09.2019 को घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने निवास से फरार है। सांतवे प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना तपकरा चौकी करडेगा के अपराध क्रमांक 06/2015 धारा 395, 397, भादवि. 25, 27 आर्म्स एक्ट के फरार आरोपी मनोज कण्डुलना पिता अनबन कण्डुलना 22 साल निवासी राणानाटोली टोनिया थाना जलडेगा जिला सिमडेगा (झारखण्ड) का निवासी है।

सीएचसी लटोरी का संभागीय संयुक्त संचालक ने किया निरीक्षण

अनुपस्थित कर्मचारियों को अवैतनिक करने दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लटोरी का संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल कुमार शुक्ला द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मात्र एक आयुष चिकित्सक एवं एक स्टॉफ नर्स उपस्थित थे जबकि संस्था प्रभारी सहित अन्य समस्त चिकित्सा अधिकारी, स्टॉफ नर्स अनुपस्थित पाए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लटोरी का औसत ओपीडी प्रति-दिवस लगभग 70 से 80 है। सभी चिकित्सा अधिकारी एवं समस्त स्टॉफ नर्स का नोटिस जारी कर अवैतनिक की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने स्वास्थ्य संस्था में साफ सफाई का विशेष अभाव पाया। अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा आकस्मिक अवकाश एवं अन्य अवकाश में प्रस्थान करने के पूर्व बगैर संस्था प्रमुख के पूर्व अनुमति के अनुमोदन ही अवकाश में प्रस्थान किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। आकस्मिक निरीक्षण में अमीत लाल तिग्गा एमएनएस, श्रीमती विनोदित लकड़ा एएनएम, प्रेमप्रकाश कुशवाहा वार्ड बॉय 2 दिवस से संस्था में अनुपस्थित पाए गए। इन सभी कर्मचारियों को उक्त दिवस को अवैतनिक किए जाने व नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य संस्था में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियत समय पर अपने कार्य पर उपस्थिति सुनिश्चित कराए जाने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया है।

नमो नमो संगठन का नीरज प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नमो नमो संगठन के प्रदेशाध्यक्ष विनोद अग्रमोदी ने ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर निवासी नीरज अग्रवाल को संगठन का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही नीरज अग्रवाल को सरगुजा संभाग का प्रभार भी सौंपा गया है। उक्त नियुक्ति से संगठन कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने बताया कि संगठन द्वारा जो भरोसा जताते हुए जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया जाएगा।

आम निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्य नपं बिश्रामपुर में शुरू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। नगरीय निकाय के आम निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण किए जाने का कार्यक्रम शुरू कर दिया गया है। निकायों के लिए प्रारंभिक निर्वाचक नामावली प्रकाशन 16 अक्टूबर हेतु प्रारंभिक निर्वाचक नामावली प्रकाशन 24 अक्टूबर निर्धारित की गई है।नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2024-1 जनवरी 2024 की स्थिति में तैयार की गई निर्वाचक नामावली का नगर पंचायत बिश्रामपुर के सभी 15 वार्डों के मतदान केन्द्रों में निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर 23 अक्टूबर तक छत्तीत्तगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर के निर्देशानुसार दावा/आपत्तियां प्राप्त करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। नगर पंचायत बिश्रामपुर के सभी मतदाताओं से आह्वान किया गया है कि वे अपने-अपने वार्ड के मतदान केन्द्रों, संबंधित तहसील कार्यालयों एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालयों में उपलब्ध मतदाता सूची का भली भांति अवलोकन कर यह सुनिश्चित कर लेवें कि उनके एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों के नाम जो वोट देने के लिए पात्र हैं, मतदाता सूची में अंकित है एवं संबंधित वार्ड में ही है और सही है। यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि हो तो उसके सुधार हेतु तत्काल अपने मतदान केन्द्र में उपलब्ध प्राधिकृत कर्मचारी के समक्ष आवेदन देकर कार्यवाही कराएं। संबंधित वार्ड के मतदान केन्द्र में उपलब्ध मतदाता सूची में परिवर्धन, संशोधन, नाम जोड़ना, नाम सुधारना, नाम काटने का कार्य किया जा रहा है।

पत्नी के मायके जाने की बात से क्षुब्ध युवक ने फांसी लगाकर दी जान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। पत्नी द्वारा मायके जाने की बात कहे जाने से क्षुब्ध होकर एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत रामनगर डबरीपारा निवासी 32 वर्षीय राजेंद्र सिंह पिता बाबूलाल गोंड की पत्नी द्वारा मायके जाने की बात कही गई थी। इसी बात पर क्षुब्ध होकर युवक गुरुवार को अल सुबह घर से निकला और कुछ विलंब तक वापस नहीं लौटने पर पत्नी द्वारा मोबाइल पर कॉल किया गया तो मोबाइल दरवाजे के पास ही बज रहा था। युवक के पुत्र ने जाकर देखा तो मोबाइल दरवाजे के पास पड़ा था और युवक द्वारा अपने बाड़ी के पीछे जाकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी गई थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

ट्रक की ठोकर से घायल युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ट्रक की ठोकर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया सूरजपुर जिला के पुलिस चौकी चेन्द्रा अंतर्गत ग्राम दौना निवासी प्रेमसाय पैकरा पिता सुखदेव पैकरा 20 वर्ष बीते दिवस ग्राम टइयां से मोटरसाइकिल में अकेले घर की ओर आ रहा था। शाम लगभग 7 बजे ग्राम करौंटी के पास मुख्य मार्ग में अज्ञात ट्रक का चालक लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल सवार को ठोकर मार दिया, जिसमें उसे सिर, हाथ और चेहरे में गंभीर चोटें आई थी। स्वजन उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल सूरजपुर ले गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था, यहां देर रात करीब 1.50 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

चौपाटी को अन्यत्र हटाए जाने

एसईसीएल प्रबंधन ने थमाया नोटिस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। एसईसीएल के लीज भूमि पर संचालित चौपाटी को हटाए जाने को लेकर आज एसईसीएल प्रबंधन की ओर से नोटिस जारी कर दे दिया गया है। गौरतलब है कि नगर के डीएवी पब्लिक स्कूल व प्रोजेक्ट ऑफिस के समीप चौपाटी का संचालन पिछले कई महीनों से किया जा रहा है। यहां पर चौपाटी की वजह से आपराधिक किस्म के लोगों का देर रात तक यहां अड्डा बनने की बात कहकर एसईसीएल प्रबंधन द्वारा अब उक्त चौपाटी को अन्यत्र हटाए जाने हेतु गुरुवार को नोटिस थमा दिया गया है। एसईसीएल प्रबंधन द्वारा जारी नोटिस में उल्लेख किया गया है कि डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य द्वारा प्राप्त शिकायत के अनुसार उक्त स्थल पर संध्या काल से लेकर रात्रि 12 बजे तक अनाधिकृत रूप से स्कूल के सामने दुकान लगाकर शाकाहारी व मांशाहारी व्यंजन के साथ ही शराब का सेवन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्कूल के समक्ष ऐसा करना सामाजिक बुराई के साथ ही अपराध की श्रेणी में भी आता है। इस वजह से उक्त चौपाटी को अन्यत्र स्थापित करके संचालन किए जाने की बात कही गई है। ज्ञात हो कि चौपाटी के व्यवस्थित किए जाने को लेकर लंबे अरसे से यहां पर प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन आज तक स्थाई व्यवस्था कोई ठोस पहल नहीं हो सका है। चौपाटी का संचालन पूर्व में बस स्टैंड में होता था, जहां से नगर पंचायत प्रबंधन द्वारा अयप्पा मंदिर ग्राउंड में स्थापित कराया गया था। इसके पश्चात कुछ महीने पूर्व ही चौपाटी हेतु तत्कालीन पिलखा नायब तहसीलदार व तत्कालीन नगर पंचायत सीएमओ द्वारा काफी समझाइश उपरांत उक्त वर्तमान स्थल का चयन करने चौपाटी का संचालन शुरू कराया गया था लेकिन अब गुरुवार को एसईसीएल प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण के नेतृत्व में टीम द्वारा पुन: नोटिस थमाने उपरांत उक्त चौपाटी का संचालन अन्यत्र स्थल पर कराए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसईसीएल प्रबंधन का यह भी मानना है कि यहां चौपाटी का संचालन होने से शराबियों द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल की बाउंड्री फांदकर स्कूल कैंपस में गंदगी किए जाने की शिकायत आए दिन मिलती रहती है। साथ ही चोरी के मामलों में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

सजगता एवं संरक्षित कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने स्टेशनों में संरक्षा संगोष्ठी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। संरक्षा संगठन बिलासपुर मंडल द्वारा रेल कर्मियों को जागरूक करने संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जा रहा है ताकि शून्य दुर्घटना का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। इसी क्रम में बिलासपुर मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन एवं संरक्षित कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने हेतु, परिचालन, विद्युत परिचालन, यांत्रिक, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों हेतु 15 अक्टूबर को बिश्रामपुर में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में स्पैड से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियां एवं ऑटो सिगनलिंग सेक्शन में विभिन्न प्राधिकार, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां एवं रोलिंग डाउन से बचाव, इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बरती जाने वाली मानसून संबंधित सावधानियां, पॉइंट्स एवं सिग्नल की विफलता के दौरान सिग्नल एवं परिचालन कर्मचारी का कर्तव्य, हॉट एक्सेल, ब्रेक बाइंडिंग, ट्रेन पार्टिंग एवं दरवाजा खुलने से बचाव के लिए क्रू, ट्रेन मैनेजर एवं स्टेशन कर्मचारी द्वारा चेक किया जाना, ओएचई ब्लॉक के समय रखी जानी वाली सावधानियां, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण जैसे विभिन्न गहन विषयों पर चर्चा की गई। इसके अलावा प्राथमिक उपचार पेटी के उपयोग का प्रदर्शन तथा नागरिक सुरक्षा निरीक्षक द्वारा फायर फाइटिंग एवं प्रथमोपचार करने का प्रशिक्षण भी दिया गया।संगोष्ठी में एआरएम शहडोल आरएस मोहंती तथा संरक्षा सलाहकारों के अलावा स्टेशन मास्टर, चालक, परिचालक गार्ड, फिटर, एसएसई, जेई, डीटीआई, पाइंटमैन, गेटमैन, सहित विभिन्न विभागों के रेल कर्मी उपस्थित थे।

विकासखण्डवार होगा कौशल पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला कौशल विकास प्राधिकरण बलरामपुर द्वारा राज्य में संचालित केन्द्र तथा राज्य शासन की कौशल विकास योजनाओं, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना, नल-जल मित्र कार्यक्रम एवं आजीविका विकास कार्यक्रम के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिसके प्रत्येक विकासखण्ड में प्रात: 11 बजे से तिथिवार कौशल पखवाड़ा का आयोजन 14 अक्टूबर 2024 से 30 अक्टूबर 2024 तक किया जा रहा है। जिसके तहत विकासखण्ड बलरामपुर के पस्ता ग्राम पंचायत भवन में 18 अक्टूबर 2024 को, विकासखण्ड कुसमी अंतर्गत चांदो पंचायत भवन 17 अक्टूबर व कुसमी जनपद पंचायत सभाकक्ष में 28 अक्टूबर 2024 को तथा सामरीपाठ पंचायत भवन में 29 अक्टूबर 2024 को, विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत जिगडी पंचायत भवन में 21 अक्टूबर व बरियों पंचायत भवन में 22 अक्टूबर को, विकासखण्ड शंकरगढ़ अंतर्गत शंकरगढ़ जनपद पंचायत सभाकक्ष में 23 अक्टूबर व कमारी पंचायत भवन 24 अक्टूबर को, विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत बसंतपुर पंचायत भवन 25 अक्टूबर व चलगली पंचायत भवन 26 अक्टूबर को तथा विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत 19 अक्टूबर 2024 को रामचन्द्रपुर आईटीआई भवन में किया जाना है।

कौशल पखवाडा कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने सर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं सर्व मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, परियोजना प्रशासक, एककृत आदिवासी विकास परियोजना, जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द, सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, सर्व प्राचार्य शासकीय आईटीआई को निर्देशित किया है कि कार्यक्रम स्थल में समस्त आवश्यक व्यवस्था करें। साथ ही जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संबंधित ग्राम पंचायतों में मुनादी करवा कर हितग्राहियों को उपस्थित करायें। महिला बाल विकास के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व महिला स्वयं सहायता समूह के द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति व अधिक बेरोजगार युवाओं की उपस्थिति कराना सुनिश्चित करें।

क्रेडा विभाग की लापरवाही से 5 साल के मासूम की जान जाने का आरोप

बीते डेढ़ वर्ष से इंसाफ के लिए अधिकारियों के दफ्तर का चक्कर काट रही मां

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर विकासखंड के रनपुरकला गांव में स्थित प्राइमरी स्कूल में अक्टूबर 2022 में सोलर हाई मास्क लाइट लगाने क्रेड़ा विभाग द्वारा गड्ढा खोदवाया गया था, इसके बाद हाई मास्क लाइट रनपुर कला गांव में न लगाकर मेंड्रा कला स्थित सैनिक स्कूल में लगा दिया गया। इसके बाद स्कूल परिसर में सोलर हाई मास्क लाइट लगाने के लिए खोदे गए गड्ढे को नहीं भरा गया। मई 2023 में इस गड्ढे में 5 साल का अर्णव रजवाड़े खेलते-खेलते गिर गया था और उसकी गड्ढे में भरे पानी में डूबने से मौत हो गई थी। इसकी जानकारी लगते ही क्रेडा विभाग में हड़कंप की स्थिति बन गई और पीड़ित मां हीरामनी राजवाड़े को विभाग के

अधिकारियों ने नौकरी और मुआवजा देने का आश्वासन दिया था। इससे मामला शांत हो गया लेकिन मुआवजा और नौकरी के लिए महिला डेढ़ साल से भटक रही है। महिला की परेशानी तब बढ़ गई जब विभाग के आश्वासन देने वाले सभी अधिकारियों का स्थानांतरण हो गया। महिला कलेक्टर के जनदर्शन में भी गई लेकिन वहां भी इंसाफ नहीं मिला। पांच साल के बेटे अर्णव को खोने के बाद यह मां अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर लगाकर थक चुकी है। महिला का कहना है कि उसे बेटा तो वापस नहीं मिल सकता, नौकरी और मुआवजा की आस लेकर वह अब अधिकारियों का चक्कर काट पाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में उसके पास जान देने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा है। मामला जिले के अपर कलेक्टर सुनील नायक के संज्ञान में आया है और उन्होंने एक बार फिर महिला को इंसाफ दिलाने के लिए आश्वस्त किया है। दो वर्ष से इंसाफ के लिए अधिकारियों से गुहार लगा रही महिला को कब तक इंसाफ मिल पाएगा, यह देखना दिलचस्प होगा।

त्यौहार के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा की टीम मिष्ठान दुकानों का निरीक्षण कर ले रही नमूने

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए नकली खोवा तथा गुणवत्ताहीन मिठाई की बिक्री की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा टीम के द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। कलेक्टर सरगुजा एवं अभिहित अधिकारी के निर्देशानुसार सरगुजा जिले के समस्त मिठाई दुकानों का सघन निरीक्षण मिलावट की आशंका के मद्देनजर किया जा रहा है। इस कड़ी में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरआर देवांगन, प्रशान्त कुमार तिवारी तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम द्वारा मेसर्स शीतल रेस्टोरेंट, लखनपुर से पनीर, मेसर्स होटल द ग्रैंड राधेश्याम, अंबिकापुर से स्प्रिंग रोल, मेसर्स आकाश मिल्क पार्लर, अंबिकापुर से खोवा, मेसर्स संगम डेली नीड्स, अंबिकापुर से कलाकंद का नमूना संकलित कर परीक्षण एवं विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर से परीक्षण एवं विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम विनियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही विभागीय चलित खाद्य प्रयोगशाला वाहन (मोबाईल वैन) के माध्यम से विगत 02 दिनों में अभियान चलाकर ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्रों में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का मौके पर ही जांच किया जा रहा है।

योगी सरकार में बदलते प्रदेश की तारीफ कर रहे ओलंपियन

दीपावली से पहले पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को बड़ी सौगात

संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को दीपावली से पहले बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। 20 अक्टूबर को उनके वाराणसी के दौरे में सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्टेडियम के फेज-2 व फेज-3 का उद्घाटन प्रस्तावित है।

पीएम 2023 में फेज-1 का उद्घाटन कर चुके हैं। स्टेडियम निर्माण से 20 से अधिक खेलों के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का पुनर्विकास 325.65 करोड़ की लागत से हुआ है। स्टेडियम की इमारत ग्रिहा

के मानक के अनुसार बनाई गई है।

मोदी-योगी के नेतृत्व में खेल का बेहतर हब बन रहा यूपी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खेल का हब बन रहा है। खेल के मूलभूत ढांचे को सुधारने के साथ खिलाड़ियों को अच्छा माहौल भी मिला है। इससे अंतरराष्ट्रीय मैचों में पदकों की संख्या भी बढ़ी है। इस स्टेडियम के निर्माण से पूर्वांचल की मिट्टी से अब और अंतरराष्ट्रीय खिलाडी निकलेंगे। काशी में मल्टी स्पोर्ट्स, मल्टी लेवल आधुनिक इनडोर स्टेडियम का निर्माण कराया गया है। स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. डी वासुदेवन ने बताया कि तीन फेज में डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का पुनर्विकास 325.65 करोड़ से अधिक की लागत से हुआ है। स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर दोनों सुविधा रहेगी।

109.36 करोड़ रुपये से हुआ था पहले चरण का निर्माण

पूर्वांचल के खिलाड़ियों को अब वाराणसी में ही अंतरराष्ट्रीय मैच देखने को मिलेंगे। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जिम, स्पा, योगा सेंटर, पूल बिलियर्ड्स और कैफेटेरिया के साथ बैंक्वेट हॉल की भी सुविधा है। मल्टी स्पोर्ट्स, मल्टी लेवल आधुनिक इनडोर स्टेडियम में मानकों को भी ध्यान में रखकर बनाया गया है। यहां पैरा स्पोर्ट्स प्रतियोगिताएं भी हो सकेंगी। प्रथम चरण का निर्माण लगभग 109.36 करोड़ से हुआ था। दूसरे और तीसरे चरण का निर्माण लगभग 216.29 करोड़ में हुआ।

फेज -1

-बैडमिंटन-10 कोर्ट, टेबल टेनिस, जिम्नास्टिक, कबड्डी, स्विमिंग पूल - ओलंपिक साइज,प्रैक्टिस/वार्म अप पूल, बोर्ड गेम्स -चेस, कैरम, स्क्वैश के लिए - 4 कोर्ट, बिलियर्ड्स, एरोबिक्स, क्रॉस ट्रेनिंग, कार्डियो जोन, -रिकवरी जोन, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग जोन

फेज-2

(शूटिंग स्पोर्ट्स) 10 मीटर 50 बे रेंज, 25 मीटर 25 बे रेंज, जी प्लस 3- कॉम्बैट स्पोर्ट्स में बॉक्सिंग ,जूडो ,कराटे,ताइक्वांडो,वेट लिफ्टिंग ,वुशु ,किक, स्पोर्ट्स साइंस सेंटर, फेनसिंग, बॉक्सिंग, रेसलिंग, -जी प्लस वन फील्ड व्यू चेंजिंग रूम

बर्तन में यूरीन पास कर आटा गूंधने वाली मेड पकड़ी गयी

योगी सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कानून लायेगी

संवाददाता

लखनऊ, आजकल रोटी पर थूकने, जूस में मानव मूत्र मिलाने या मिठाई में मानव अपशिष्ट मिलाने की घटनाएं काफी देखने को मिल रही हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पहचान छिपाकर खाद्य व पेय पदार्थों में मिलावट करने और उत्पादों में मानव मल, अखाद्य तथा गंदी चीजें मिलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जल्द ही नया कानून लाएगी। हालांकि योगी सरकार की इस घोषणा पर विपक्ष की अलग राय है लेकिन यह भी देखना चाहिए कि समाज में आखिर हो क्या रहा है। हम आपको बता दें कि इस प्रकार की ताजा घटना उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से सामने आई जहां एक घरेलू काम करने वाली महिला पर आरोप लगा है कि वह अपने मूत्र से आटा गूंध कर रोटी बनाती थी। बताया जा रहा है कि एक सोसायटी में रहने वाली महिला ने अपनी मेड पर आरोप लगाया है कि वह बर्तन में यूरीन पास कर उससे रोटी बनाती थी। महिला ने इस मामले में पुलिस में शिकायत भी की है। बताया जा रहा है कि आरोपी मेड को पकड़ लिया गया है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। हम आपको बता दें कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि 8 साल से काम कर रही मेड पर जब उसे शक हुआ तो उसने उसकी गतिविधियों को मोबाइल से रिकॉर्ड करना शुरू किया। इस दौरान उसने देखा कि वह बर्तन में यूरीन पास कर उसमें आटा लेकर रोटी बनाती हुई दिखाई दे रही है। इसके बाद उन्होंने उससे इस बारे में बात की तो वह गुमराह करने लगी। महिला के अनुसार, उनके परिवार के लोग कुछ महीनों से लीवर की परेशानी से जूझ रहे हैं। उन्हें इस बात का शक है कि इसी कारण से ऐसा हो रहा है।

दूसरी ओर, योगी सरकार के आने वाले कानून के बारे में बात करें तो आपको बता दें कि एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हुई मिलावट की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कारावास और जुमार्ना सुनिश्चित किया जाना चाहिए और ऐसे अपराध को संज्ञेय और गैर-जमानती मानते हुए कार्रवाई की जानी चाहिए। योगी ने कहा कि ऐसी घटनाएं भयावह हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक सौहार्द पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और इस तरह के नापाक प्रयासों को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ताओं का

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,634.72

निफ्टी 25,013.85

6जी मानकों व विनियमों में सभी के लिए समावेशिता सुनिश्चित होनी चाहिए: सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली, संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि 6जी से संबंधित मानकों तथा नियमों से सभी के लिए समावेशिता और सामर्थ्य सुनिश्चित होना चाहिए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) में अंतरराष्ट्रीय 6जी संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर सिंधिया ने कहा कि चूंकि 6जी के लिए मानक तय किए जा रहे हैं, इसलिए प्रौद्योगिकी तथा इंजीनियरिंग में अपनी सिद्ध क्षमताओं को देखते हुए भारत के पास जबरदस्त अवसर हैं। मंत्री ने कहा, हमारे 6जी मानक जो अभूतपूर्व गति, कम विलंबता और परिवर्तनकारी अनुप्रयोगों की विशेषता रखते हैं...सभी के लिए समावेशी, सुलभ व किफायती होने चाहिए और केवल तभी यह समग्र मानवता के वास्तविक मूल्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। सिंधिया ने 6जी अवसर का लाभ उठाने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, जैसा कि हम विनियामक वातावरण तैयार करते हैं, भारत के पास विनियमनों के निर्माण में योगदान देने की जबरदस्त क्षमता है। भारत में एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग या गणित) स्नातकों की एक बड़ी संख्या है। इसकी प्रौद्योगिकी प्रगति एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है क्योंकि दुनिया 6जी की ओर बढ़ रही है।

जल्द हो मेयर का चुनाव, केजरीवाल ने शैली ओबेरॉय को लिखा पत्र

एससी समुदाय को मिले उसका पूरा अधिकार

एजेंसी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय को पत्र लिखकर तुरंत मेयर का चुनाव कराने का आग्रह किया और जेल में रहते हुए चुनाव कराने में देरी को लेकर उपराज्यपाल पर हमला बोला। केजरीवाल ने कहा कि पार्टी ने इस साल अनुसूचित जाति (एससी) से मेयर चुनने का फैसला किया है। हालांकि, उन्होंने उपराज्यपाल का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि इस साल मेयर का चुनाव नहीं कराने की साजिश की गई है।

केजरीवाल ने दिल्ली प्रशासन पर एससी समुदाय के अधिकारों को छीनने का आरोप लगाया, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम अधिनियम के तहत, महापौर चुनाव हर साल अप्रैल में एमसीडी सदन के पहले विधानसभा सत्र के दौरान होने चाहिए। इस साल, यह 26 अप्रैल के लिए निर्धारित था, लेकिन छह महीने के लिए स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि जब हम सत्ता में आए तो लोग यह कहकर हमारा मजाक उड़ाते थे कि दिल्ली को साफ करना असंभव है। लेकिन अब, दिल्ली साफ-सुथरी दिख रही है और हम स्वच्छता के इस स्तर को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस पत्र को लिखने का मुख्य कारण यह है कि समझौते के अनुसार, इस कार्यकाल के लिए मेयर अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से चुना जाना था। हालाँकि, मुझे पता चला है कि इसके लिए कोई चुनाव नहीं हुआ है। एससी समुदाय को मेयर चुनने के उसके उचित अवसर से वंचित करना बेहद अनुचित और दुर्भाग्यपूर्ण होगा। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप तुरंत मेयर का चुनाव कराएं और सुनिश्चित करें कि एससी समुदाय को उसका उचित अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि जब मैं जेल में था तो विपक्षी दलों के लोग तरह-तरह से जनता के लिए परेशानी खड़ी करते थे। उन्होंने कई जगहों पर काम बंद करा दिया. लोग आते थे और मुझे अपनी शिकायतें बताते थे। मैं एक-एक करके काम निपटा रहा हूं।' इस साल मेयर का चुनाव अनुसूचित जाति समुदाय से होना था। केजरीवाल ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद मुझे पता चला कि वे मेयर का चुनाव कराने में सक्षम नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश के अमेठी में ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में मंगलवार देर शाम एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, घटना जगदीशपुर थानाक्षेत्र के जगदीशपुर-मोहनगंज मार्ग पर नौडाढ़ के निकट हुई। पुलिस ने बताया कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों को जगदीशपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान रानीगंज के रहने वाले राज कुमार (26), अमित कुमार (23) और मोहनगंज के रहने वाले आकाश (25) के रूप में हुई है।

लार्सन एंड टुब्रो को आगरा मेट्रो के डिजाइन व निर्माण का ठेका मिला

एजेंसी

नई दिल्ली, इंजीनियरिंग व निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को आगरा मेट्रो के डिजाइन तथा निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसीएल) से एक बड़ा ठेका मिला है। कंपनी ने बुधवार को बीएसई को दी सूचना में बताया, यह ठेका एलएंडटी के भारी नागरिक बुनियादी ढांचे खंड को मिला है। एलएंडटी 1,000 करोड़ रुपये से 2,500 करोड़ रुपये के बीच के मूल्य के ठेके को बड़ा ठेका बताती है। कंपनी सूचना के अनुसार, उसे उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसीएल) से आगरा मेट्रो प्रथम चरण लाइन-2 के डिजाइन तथा निर्माण के लिए ठेका मिला है।

ज्ञानवापी: हिंदू पक्ष ने खुदाई में एएसआई की विशेषज्ञता का हवाला दिया, अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष ने स्थानीय अदालत के समक्ष कहा कि पुरातात्विक चीजों की खोज में एएसआई को महारत हासिल है, लिहाजा मस्जिद के केंद्रीय गुंबद के नीचे खुदाई कराके ज्योतिर्लिंग के स्थान का सर्वेक्षण कराना चाहिए। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) जुगल शंभू ने दलीलें सुनने के बाद मामले की सुनवाई की अगली तारीख 19 अक्टूबर तय की है। अधिवक्ता यादव ने कहा, हिंदू पक्ष के अधिवक्ताओं ने न्यायाधीश शंभू के समक्ष अपनी दलील में कहा कि पांच महिला वादियों के मामले में एएसआई सर्वेक्षण की कार्रवाई पहले भी की जा चुकी है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को खोदाई कार्य में विशेषज्ञता हासिल है।

उन्होंने दलील देते हुए कहा कि वाराणसी में सारनाथ और राजघाट की खोदाई एएसआई ने ही की है तथा यहां तक कि मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाई भी एएसआई ने ही की थी। यादव ने कहा, इसी आधार पर ज्ञानवापी की भी 4७4 फुट खोदाई की जानी चाहिए और ज्ञानवापी के केंद्रीय गुंबद के नीचे ज्योतिर्लिंग के स्थान का सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए 19 अक्टूबर की तारीख तय की है। उनके मुताबिक, उम्मीद है कि अगली सुनवाई में मुस्लिम पक्ष अदालत के समक्ष अपनी दलील पेश करेगा। पिछली आठ अक्टूबर को मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने कथित तौर पर अदालत के समक्ष दलील दी थी कि जब हिंदू पक्ष ने मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में आगे बढ़ाने की अपील की है तो निचली अदालत में इस मामले पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जब ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वेक्षण एक बार पहले हो चुका है तो दूसरा सर्वेक्षण कराने का कोई औचित्य नहीं है। मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने यह भी कहा था कि सर्वेक्षण के लिए मस्जिद परिसर में गड्ढा खोदना किसी भी तरह से व्यावहारिक नहीं है और इससे मस्जिद को नुकसान हो सकता है। इससे पहले, हिंदू पक्ष ने तर्क दिया था कि ज्ञानवापी परिसर में स्थित मस्जिद के गुंबद के नीचे ज्योतिर्लिंग का मूल स्थान मौजूद था।

युवा आईपीएस अधिकारियों को राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के अंत के लिए कठोरता दिखानी होगी: शाह

एजेंसी

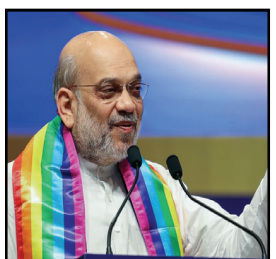

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सभी युवा अधिकारियों को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का अंत करने के लिए कठोर रुख के साथ काम करना होगा। यहां भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 2023 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ बातचीत में शाह ने कहा कि अब समय आ गया है कि पुलिस देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करे। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं के भीतर होने वाले अपराधों को कम करने और नागरिकों को कम से कम समय में न्याय दिलाने के लिए पुलिस व्यवस्था को सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की जाए और उनके खिलाफ अत्याचारों को रोकने के प्रयास किए जाएं। गृह मंत्री ने कहा कि गरीबों, बच्चों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा का मतलब सिर्फ सीमा की सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा, राष्ट्र नागरिकों से बनता है। नागरिकों की सुरक्षा ही राष्ट्र की सुरक्षा का आधार है। शाह ने कहा कि जब वह सुरक्षा की बात करते हैं तो यह केवल जीवन और संपत्ति की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए अधिकारों की सुरक्षा भी है।

नीतीश के साथ फिर गठबंधन के सवाल पर बोले तेजस्वी यादव

अब सवाल ही नहीं, उनका समय खत्म हो गया है

एजेंसी

नई दिल्ली, राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गठबंधन की अटकलों को खारिज कर दिया और दावा किया कि थके हुए जदयू अध्यक्ष के लिए समय आ गया है। जनवरी में जब कुमार अचानक भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में लौट आए तो यादव को उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में दिन-ब-दिन कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर डालें तो...ऐसा कोई विधानसभा क्षेत्र नहीं है, जहां हत्या, लूटपाट, अपहरण और बलात्कार जैसे अपराध नहीं होते हों।

राजद नेता ने दावा किया कि बड़ी मुश्किल से एफआईआर दर्ज होती है, जांच शून्य होती है, पीड़ित परिवार को कभी न्याय नहीं मिलता और आरोपी छूट जाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति भयावह हो गई है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार अब बिहार नहीं चला पा रहे हैं, थक चुके हैं, उनकी स्थिति हम देख सकते हैं। बांका जिले में पत्रकारों से बात करते हुए, राजद नेता ने उन्हें चुनौती दी कि वे केंद्र में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके जाति जनगणना करवाएं, साथ ही राज्य के लिए विशेष दर्जा और हाल की बाढ़ से तबाह हुए क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज भी हासिल करें।

एक सवाल के जवाब में, अब विपक्ष के नेता, यादव ने कहा अब नीतीश कुमार के साथ हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं उठता। उनका समय समाप्त हो गया है। वह थक गए हैं और अब बिहार पर शासन करने में सक्षम नहीं हैं। विशेष रूप से, यादव की पार्टी, जिसका नेतृत्व उनके पिता लालू प्रसाद कर रहे हैं, की जद (यू) के साथ दो साझेदारियाँ रही हैं, दोनों ही अल्पकालिक रहीं। दोनों पार्टियों ने पहली बार 2015 में गठबंधन किया था, जब गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी, हालांकि कुमार दो साल बाद एनडीए में वापस चले गए।

भारत में चल रही सांस्कृतिक पुर्नजागरण की लहर: लक्ष्मण आचार्य

एजेंसी

वाराणसी। प्रख्यात लेखिका डॉ. नीरजा माधव की सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'भारत का सांस्कृतिक स्वभाव' का लोकार्पण करते हुए असम एवं मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने कहा कि जिस तरह से तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना स्वान्तः सुखाय की थी लेकिन कालांतर में रामचरितमानस पूरे देश ही नहीं विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग दिखाने वाला महाकाव्य बन गया। इसी तरह से नीरजा माधव ने भी अपनी संतुष्टि के लिए और भारतबोध की भावना के साथ इस पुस्तक की रचना की है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक पूरे राष्ट्र के लिए और समाज के लिए संतुष्टिप्रदान करने वाली बनेगा। वे यहां वाराणसी के कमिश्नरी सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे।

कार्यक्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो.जीसी त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डा. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, उप्र विधान परिषद के सदस्य डा. धर्मेंद्र राय, जम्मू दीप बौद्ध मंदिर के विहाराधिपति डा. सिरी सुमेध थेरो भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल आचार्य ने आगे कहा कि हाल के वर्षों में भारत में एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की लहर चल रही है। अपने अतीत से लोग फिर से परिचित होना चाह रहे हैं। नीरजा माधव की यह कृति भारत की सांस्कृतिक विरासत से लोगों का पुनः परिचय कराने का एक सशक्त आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत को जानने की जिज्ञासा रखने वालों के लिए यह पुस्तक एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जो लोग दूर दराज से भारत को समझना चाहते हैं, उसकी सांस्कृतिक विरासत से परिचित होना चाहते हैं, उनके लिए ₹भारत का सांस्कृतिक स्वभाव₹ पुस्तक एक आवश्यक पुस्तक है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जीसी त्रिपाठी ने कहा कि जब किसी भूखंड पर जीव सृष्टि का निर्माण होता है तो उसे देश की संज्ञा मिलती है। जब वह जीव सृष्टि अपने साथ एक दर्शन, दृष्टि, विचार और मूल्यों के साथ कुछ सिद्धांतों और परंपराओं को अंगीकार करता है तब उसे राष्ट्र की संज्ञा मिलती है।

सम्पादकीय

भारत से संबंध बिगाड़ना कनाडा को ही पड़ेगा भारी

पहले से ही खराब चल रहे भारत और कनाडा के संबंध और तल्ख हो गए हैं, जब कनाडा की ओर से अनर्गल बयानबाजी शुरू हुई, जिसमें भारत पर कई नए आरोप मढ़े गए। बात इतनी बढ़ी कि दोनों देशों ने छह-छह राजनयिक एक-दूसरे के निकाल दिए। कनिष्क विमान अपहरण की घटना के बाद से कनाडा व भारत के रिश्ते अभी सबसे बुरे दौर में हैं। अतीत में दोनों मुल्कों के मधुर संबंध रहे हैं, लेकिन कनाडा की राजनीति में भारतीयों के प्रबल होते जाने के साथ ही दोनों देशों के संबंध में खटास बढ़ने लगी है। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने अपने भारतीय मतदाताओं को खुश रखने के लिए निज्जर मामले में भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाए, जिससे दोनों मुल्क के मधुर संबंध बिगड़े। सोमवार को राजनयिक निकाले जाने की घटना के अगले दिन मंगलवार को भारत ने कनाडा द्वारा अपने देश में आपराधिक गिरोहों से भारतीय एजेंटों को जोड़ने के आरोपों को खारिज कर दिया। कनाडा ने दावा किया कि उसने भारत से निज्जर हत्याकांड मामले के सबूत साझा किए, भारत ने कहा कि सबूत नहीं दिए। जस्टिन ट्रूडो ने ताजा आरोप लगाया है कि भारत उनके देश में कनाडाई नागरिकों को निशाना बनाकर गुप्त अभियान चलाने सहित विभिन्न गतिविधियों में शामिल है, भारत सरकार ने इसे भी खारिज कर दिया है। दरअसल, भारत और कनाडा के संबंध उस समय और खराब हो गए जब भारत ने सिख चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से राजदूत को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को खारिज करने के बाद वहां से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने की घोषणा की। सही मायने में बिगड़ते संबंध का कनाडा पर अधिक असर पड़ेगा। मुख्य रूप से छात्रों के आव्रजन, आपसी व्यापार संबंधों और कनाडा की इंडो-पैसिफिक रणनीति पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। अभी दो दिन पहले खबर आई कि कनाडाई पीएम को अपने ही सांसदों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें उनकी कुर्सी खतरे में पड़ सकती है। उसके बाद से ट्रूडो भारत पर आरोपों की झड़ी लेकर सामने आए हैं। उनके तमाम पैतरे बेकार साबित हो रहे हैं, उल्टे वे कनाडा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। संबंध खराब होने से भारतीय छात्रों की संख्या कनाडा में कम होगी, तो इससे राजस्व में कमी आएगी। स्किल जॉब सेक्टर में भी भारतीय छात्रों की कमी का बुरा असर पड़ेगा। सांस्कृतिक आदान प्रदान, जनसांख्यिकीय चुनौतियों का समाधान व अनुसंधान सहयोग में भी कमी आएगी। प्रस्तावित कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर भी असर पड़ सकता है। तनाव के चलते अभी वार्ता रोक दी गई हैं। भारत ने कनाडा से दालों का आयात कम कर दिया है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार, भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था कनाडा को बेहतर व्यापार अवसर देता है, पर अब कनाडा वंचित होगा। अमेरिका ने भारत को इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) में इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ गठित आई2यू2 ब्लॉक के संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल किया। कनाडा को क्वाड, इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) और आई2यू2 ब्लॉक में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। भारत के साथ कनाडा के तनावपूर्ण संबंध प्रमुख इंडो-पैसिफिक संस्थानों में शामिल होने की उसकी क्षमता को बाधित कर रहे हैं। कनाडा भारत में वांछित आतंकियों को पनाह देकर अपना सहित विश्व का नुकसान ही करेगा। दोनों देशों को संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

मुद्दा

डॉ. अशोक कुमार वर्मा

युवा पीढ़ी में बढ़ती जा रही धूम्रपान की प्रवृत्ति

आधुनिकता के युग में मनुष्य भौतिकतावाद में उलझकर रह गया है। दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है जिनके पास करने को कोई काम नहीं है अथवा यह कह लें कि वे कुछ करना ही नहीं चाहते। कुछ लोग तनाव दूर करने के लिए, कुछ आनंद के लिए और कुछ मौज-मस्ती के लिए नशे का सेवन करते हैं। यहां पर यह चर्चा करना आवश्यक है कि धूम्रपान की प्रवृत्ति आज युवाओं में बढ़ती जा रही है। यहां तक कि महिलाओं द्वारा भी धूम्रपान करना सामान्य बात हो गई है। सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करने पर प्रतिबंध होने के बाद भी लोग इस नियम की अवहेलना कर रहे हैं। भारत में गणतंत्र के 54वें वर्ष में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 सम्पूर्ण भारत पर लागू किया गया। इस अधिनियम के अनुसार धारा 4 के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान नहीं करेगा परन्तु किसी ऐसे होटल में जिसमें 30 कमरे हों अथवा जहां 30 से अधिक व्यक्तियों के बैठने की क्षमता हो तो वहां धूम्रपान की अलग से व्यवस्था की जाएगी।

इसी कड़ी में धारा 5 के अंतर्गत सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। धारा 6 के अनुसार किसी भी 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को सिगरेट और तम्बाकू आदि नहीं दिया जाएगा और न ही किसी शिक्षण संस्थान की 100 मीटर की परिधि में इन उत्पादों का विक्रय होगा। धारा 7 के अनुसार सिगरेट और तंबाकू पर चेतावनी का लेबल आवश्यक है और यह भी सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में होना चाहिए। इस अधिनियम के अंतर्गत पुलिस उप निरीक्षक या उससे ऊपर का अधिकारी ऐसे स्थान में प्रवेश कर सकता है और तलाशी ले सकता है जहां यह विक्रय करना प्रतिबंधित है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध नियमावली, 2008 लागू की गई है जो 2 अक्टूबर 2008 से सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने से रोकती है। यह नियमावली स्पष्ट रूप से धारा 3 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थान के मालिक, प्रबंधक को बाध्य करती है कि कोई भी व्यक्ति उसके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान न करे। सार्वजनिक स्थान के प्रवेश द्वार पर यदि एक से ज्यादा प्रवेश द्वारा हैं तो प्रत्येक प्रवेश द्वार और उनके अंदर न्यूनतम 60 सेंटीमीटर x 30 सेंटीमीटर आकार का सफ़ेद पृष्टभूमि का बोर्ड लगाएगा जिस पर 'गैर-धूम्रपान क्षेत्र' व 'धूम्रपान अपराध है' लिखा होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष तंबाकू के कारण 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इतना ही नहीं, 13 लाख ऐसे लोग हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते लेकिन उनके पास रहते हैं जो सेवन कर रहे होते हैं। यदि हम भारत की बात करते हैं तो देश में प्रतिवर्ष लगभग 17 लाख लोग तंबाकू के कारण अपने प्राण गंवाते हैं। एक लेख के अनुसार प्रतिदिन तम्बाकू के कारण भारत में 3699 मृत्यु हो रही हैं तो दूसरी और प्रत्येक 4 सेकंड में एक बालक की मृत्यु केवल ऐसे लोगों के संपर्क में होने के कारण होती है जो उनके पास रहकर धूम्रपान करते हैं। अब प्रश्न उठता है कि भारत में एक ओर तम्बाकू रोजगार प्रदान करता है तो दूसरी ओर मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए क्षतिकारक है। तम्बाकू के सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, लकवा, श्वास रोग, दमा, कैंसर जैसी भयानक व्याधियां हो रही हैं। लोगों ने इसे आजीविका का साधन बना लिया है। चिंता का विषय यह है कि आज 100/200 मीटर पर कोई खाद्य सामग्री मिले या न मिले तम्बाकू उत्पाद अवश्य दिखाई दे जाते हैं। रंग-बिरंगे पाउच में विभिन्न प्रकार के पान मसाले और तम्बाकू लटके मिलते हैं। यदि हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली संतान नशों से दूर रहे तो तम्बाकू उत्पाद पर भी पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाना होगा। जो लोग इसके आदि हो चुके हैं उन लोगों को इसे छोड़ने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। यदि नशा कोई भी अच्छा होता तो सबसे पहले हमारे माता-पिता हमें सेवन के लिए दे देते। आज सिगरेट और हुक्का परिवर्तित रूप में हमारे सामने आ चुका है और वो है ई-सिगरेट और ई-हुक्का जो प्रतिबंधित है। आज भी लोगों की धारणा है कि हुक्का भाईचारे का प्रतीक है जबकि यह मिथ्या है। यदि हुक्का हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग होता तो इसका वर्णन वेद ग्रन्थ और शास्त्रों में अवश्य होता। सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान निषेध करने के लिए कानून तो है लेकिन पालना अभी भी नहीं हो रही है।

(लेखक हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो में जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास के प्रभारी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्व खाद्य दिवस

रविशंकर

सवाल ये है कि आजादी के 78 वर्षों के बाद भी देश को भूख और कुपोषण जैसी समस्या से मुक्ति क्यों नहीं मिल पाई है? जबकि आजादी के बाद से भारत में खाद्यान्न के उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गई है। परंतु कुपोषण व भुखमरी का मसला अभी भी चुनौती बना हुआ है। बिहार और उत्तर प्रदेश इनमें सबसे आगे हैं। कुपोषण आज देश के लिए राष्ट्रीय शर्म है। भारत में कुपोषण की समस्या कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा है। वास्तव में कुपोषण बहुत सारे सामाजिक-राजनीतिक कारणों का परिणाम है। जब भूख और गरीबी राजनीतिक एजेंडा की प्राथमिकता में नहीं होती तो बड़ी तादाद में कुपोषण सतह पर उभरता है। समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं अपितु कई देशों में खाने की भारी किल्लत है।

भूख और कुपोषण से जूझती दुनिया

विज्ञान और तकनीक एक तरफ देश में क्रांति ला रही है तो दूसरी तरफ हम मानव के जीवन की प्राथमिक जरूरत, भूख को पूरा नहीं कर पाए हैं। ये अपार प्रगति सबके लिए भोजन का प्रबन्ध नहीं कर पाई है। वहीं सामाजिक और आर्थिक विकास के पैमाने पर देखें तो भारत की एक विरोधाभासी तस्वीर उभरती है। एक तरफ तो हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े खाद्यान्न उत्पादक देश हैं तो दूसरी तरफ भूख और कुपोषण के तमाम आंकड़े सोचने के लिए मजबूर करते हैं। विकास के तमाम दावों के बावजूद भारत अभी भी गरीबी और भुखमरी जैसी बुनियादी समस्याओं की चपेट से पूरी तरह बाहर नहीं निकल सका है। सवाल ये है कि आजादी के 78 वर्षों के बाद भी देश को भूख और कुपोषण जैसी समस्या से मुक्ति क्यों नहीं मिल पाई है? जबकि आजादी के बाद से भारत में खाद्यान्न के उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गई है। परंतु कुपोषण व भुखमरी का मसला अभी भी चुनौती बना हुआ है। बिहार और उत्तर प्रदेश इनमें सबसे आगे हैं। कुपोषण आज देश के लिए राष्ट्रीय शर्म है। भारत में कुपोषण की समस्या कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा है। वास्तव में कुपोषण बहुत सारे सामाजिक-राजनीतिक कारणों का परिणाम है।

जब भूख और गरीबी राजनीतिक एजेंडा की प्राथमिकता में नहीं होती तो बड़ी तादाद में कुपोषण सतह पर उभरता है। समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। अपितु विश्व के कई देशों में खाने की भारी किल्लत है। खाद्यान्नों की कमी और बढ़ती जनसंख्या ने विश्व में ऐसी विकट स्थितिपैदा की है जहां करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए अपना खून-पसीना एक करने को बेबस हैं। यही वजह है कि दुनियाभर में भोजन की कमी और भूख से हर साल करोड़ों जानें काल के गाल में समा जाती हैं। अहम सवाल है ये है कि क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ाकर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हां हो, पर भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूं तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है। लेकिन ये भी सच है कि यहां प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद भी होता है। एक अनुमान के मुताबिक हर साल लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। भूखी जनसंख्या इन खाद्यान्नों पर ताक लगाए बैठी रह जाती है। इतना ही नहीं, भारत में लाखों टन अनाज हर साल खुले में सड़ जाते हैं। यह सब ऐसे समय हो रहा है जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और पांच साल से छोटे बच्चों की एक बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार है। ऐसा नहीं है कि भारत में खाद्य भंडारण के लिए कोई कानून नहीं है। लेकिन इसके बावजूद आज भी लाखों टन अनाज बर्बाद होता है। तमाम लोग दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

इसी जद्दोजहद में गरीब दम तक तोड़ देते हैं। ऐसा भी नहीं है कि सरकार ने भूख से लड़ने के लिए कारगर उपाय नहीं किए हैं। सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी

मिशन, नरेगा, मिड डे भोजन, काम के बदले अनाज, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा नेट, अंत्योदय अन्न योजना आदि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि सभी देशवासियों की भूख मिटाने के लिए ही नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से जीवनयापन के लिए रोजगार परक आय व पोषणयुक्त भोजन मिल सके। लेकिन कागजों पर बनने वाली ये योजनाएं जमीन पर कितनी अमल की जाती हैं इसका अंदाजा आप भारत में भूख से मरने वाले लोगों की संख्या से लगा सकते हैं। सम्पूर्ण विश्व में बेहद तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद भी आज भी भारत में गरीबी और कुपोषण एक समस्या बनी हुई है। हमारा सिस्टम अभी तक इस गंभीर समस्या का समाधान करने में नाकाम रहा है। यही वजह है कि देश की एक तिहाई से ज्यादा बच्चे अभी भी कुपोषण का शिकार हैं। देश में कुपोषण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। महिलाओं में एनीमिया की शिकायत आम है और बच्चे कुपोषित पैदा हो रहे हैं। इस कारण पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की लंबाई सामान्य से कम और वजन लंबाई के मुताबिक नहीं है। उम्र की तुलना में कम लंबाई वाले बच्चों की संख्या के मामले में बिहार 43 फीसदी हिस्सेदारी के साथ मेघालय के बाद देश में दूसरे नंबर पर है। हालांकि, शिशु मृत्यु दर के मामले देश के अधिकतर राज्यों में कम हुए हैं। इसकी वजह टीकाकरण बताई गई है, लेकिन भूख और कुपोषण की स्थिति अभी चिंतनीय स्तर पर है। इसका साफ मतलब यह है कि तमाम योजनाओं के ऐलान और बहुत सारे वादों के बावजूद अगर देश में भूख व कुपोषण के शिकार लोगों की संख्या कम नहीं कर पाए हैं। योजनाओं को लागू करने में कहीं न कहीं भारी गड़बड़ियां और अनियमितताएं हैं। सवाल है, भारत में इस भुखमरी का कारण क्या है, क्या संसाधनों की कमी है? नहीं ऐसी स्थिति कम से कम भारत में नहीं है। भारत में न तो प्राकृतिक संसाधनों की कमी है और न ही वित्तीय संसाधनों की। कमी है तो केवल प्राथमिकता की।

खैर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार कुपोषण, अल्पपोषण, कम वजन जन्म और रक्ताल्पता से मुद्दे पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। सरकार ने राष्ट्रीय पोषण मिशन का नाम बदलकर 'पोषण अभियान' कर दिया है। लेकिन भारत में कुपोषण की इतनी बड़ी समस्या है कि इससे निपटना आसान नहीं है। साफ है, अपेक्षाकृत तेजी से आर्थिक विकास के बावजूद भारत कुपोषण की समस्या को दूर करने में कामयाब नहीं हो पा रहा है। इससे स्पष्ट है कि पोषण की स्थिति में सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में संरचनात्मक बदलाव किए जाने की आवश्यकता है। ऐसा करके ही कुपोषण मुक्त भारत एवं 2030 तक गरीबी को समाप्त करने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा। इसके लिए कुपोषित परिवारों की पहचान कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। इसके लिए भारत में पोषण के कार्यक्रमों को एक जन आंदोलन में बदलना होगा, जिसमें सबकी भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए स्थानीय निकायों, सामाजिक संगठनों, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों की व्यापक स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। केंद्र एवं राज्यों के महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, शिक्षा, खाद्य एवं अन्य विभागों के बीच आपसी समन्वय के साथ कुपोषण संबंधी कार्यक्रमों को एक साथ सामूहिक रूप से लागू करने पर ही कुपोषण रूपी दुश्मन को जड़ से मिटाया जा सकता है। समय-समय पर कुपोषण संबंधी डाटा का मूल्यांकन, उसे कम करने के प्रयासों की समीक्षा के साथ ही जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

हृदय का करें अनुसरण

संकलित

दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी की बुद्धि।

कर्ण की युद्ध में धर्म-नीति निष्ठा

संकलित

प्रेरणा

कर्ण कौरवों की सेना में होते हुए भी महान धर्मनिष्ठ योद्धा थे। भगवान श्रीकृष्ण तक उनकी प्रशंसा करते थे। महाभारत युद्ध में कर्ण ने अर्जुन को मार गिराने की प्रतिज्ञा की थी। उसे सफल बनाने के लिए खंडव वन के महासर्प अश्वसेन ने इसे उपयुक्त अवसर समझा। अर्जुन से वह शत्रुता तो रखता था, पर काटने का अवसर नहीं मिलता था। वह बाण बनकर कर्ण के तरकस में जा घुसा। अश्वसेन वाला बाण भी चला, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने वस्तुस्थिति को समझा और रथ-घोड़े जमीन पर बिठा दिए। बाण मुकुट काटता हुआ ऊपर से निकल गया। असफलता पर अश्वसेन प्रकट हुआ और कर्ण से बोलाः अबकी बार अधिक सावधानी से बाण चलाना। इस पर कर्ण को भारी आश्चर्य हुआ। उसने उस कालसर्प से पूछाः आप कौन हैं? सर्प ने कहाः अर्जुन ने एक बार खण्डव वन में आग लगाकर मेरे परिवार को मार दिया था। इसलिए उसीका प्रतिशोध लेने के लिए मैं व्याकुल रहता हूँ। उस तक पहुँचने का अवसर न मिलने पर आपके तरकस में बाण के रूप में आया हूँ। कर्ण ने उसकी सहायता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए वापस लौट जाने के लिए कहाः भद्र, मुझे अपने ही पुरुषार्थ से नीति युद्ध लड़ने दीजिए। आपकी अनीतियुक्त सहायता लेकर जीतने से तो हारना अच्छा है। कालसर्प कर्ण की नीति-निष्ठा को सराहता हुआ वापस लौट गया। उसने कहाः कर्ण तुम्हारी यह धर्मनिष्ठा ही सत्य है, जिसमे अनीतियुक्त पूर्वाग्रह को छद्म की कहीं स्थान नहीं।

अंतर्मन

आज की पाती

ओजोन सुरक्षित तो हम सुरक्षित

ओजोन के संरक्षण के लिए ही 19 दिसंबर 1964 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरराष्ट्रीय ओजन दिवस मनाने की घोषणा की थी। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया के लगभग 45 देशों ने ओजोन परत को खत्म करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर 16 सितंबर 1987 को हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद पहली बार 1995 को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया और इसके बाद से हर साल यह दिन मनाया जाता है। कुदरत का अनमोल तोहफा स्वर्ग जैसी धरती और धरती के संरक्षण के लिए कुदरत ने बहुत कुछ हमें दिया है। इसी तोहफे में से एक है ओजोन परत। ओजोन परत का संरक्षण उसी तरह जरूरी है, जिस तरह हम बीमारियों से बचने के लिए अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं।

– *योगेश पाठक, दुर्ग*

ट्रेंड

प्रौद्योगिकी की दुनिया

भारत ने प्रौद्योगिकी की दुनिया को समावेशी बनाया है। इसने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति का लाभ उठाया है। इसे भारत के सभी क्षेत्रों में देखा जा सकता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

निर्वाचन आयोग का स्वागत

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र व झारखण्ड राज्य विधानसभा आमचुनाव के लिए तारीखों की घोषणा का स्वागत। चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो, उतना ही बेहतर।

- मायावती, बसपा प्रमुख

इसरो प्रमुख का सम्मान

इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ को प्रतिष्ठित आईएएफ विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने भारत के 'चंद्रयान3' अंतरिक्ष अन्वेषण का नेतृत्व कर हमें सफल चंद्र लैंडिंग में सक्षम देशों के एक विशिष्ट समूह की श्रेणी में ला खड़ा किया।

-किरण मज़ूमदार-शॉ, उद्यमी

बॉलीवुड में 25 साल पूरे

बॉलीवुड में 25 साल पूरे होने के लिए बहुत आभारी हूं। एक ऐसे क्षेत्र में काम करना जो नौकरी नहीं बल्कि वरदान जैसा लगता है। इस यात्रा में आपके प्यार के लिए धन्यवाद।

-आफताब शिवदासानी, अभिनेता

करंट अफेयर

तालिबानी मीडिया प्राणियों की तस्वीरें नहीं दिखा रहा

तालिबान द्वारा संचालित मीडिया ने नैतिकता कानूनों का पालन करने के लिए अफगानिस्तान के कुछ प्रांतों में प्राणियों की तस्वीरें दिखाना बंद कर दिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। देश के धर्माचरण मंत्रालय ने अगस्त में सार्वजनिक परिवहन, दाढ़ी बनाना, मीडिया और समारोहों जैसे रोजमर्रा के जीवन के पहलुओं को नियंत्रित करने वाले कानूनों को प्रकाशित किया था जो इस्लामी कानून या शरिया की अधिकारियों की व्याख्या को प्रतिबिंबित करते हैं। अनुच्छेद 17 के तहत प्राणियों की तस्वीरों के प्रकाशन पर प्रतिबंध है, जिससे अफगान मीडिया और प्रेस की स्वतंत्रता पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ–उल–इस्लाम खैबर ने कहा कि तखार, मैदान वरदक और कंधार प्रांतों में सरकारी मीडिया को सलाह दी गई है कि वह ऐसी किसी भी चीज़ का प्रसारण या प्रकाशन न करें जिनमें जान होती है, मसलन इंसान और पशु। खैबर ने एक दिन पहले 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया था कि मंत्रालय नैतिकता कानूनों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या ये नियम विदेशी मीडिया सहित सभी मीडिया संस्थानों पर लागू होंगे या सिर्फ अफगान चैनलों और वेबसाइट पर ही लागू होंगे।

ऑफ बीट

सर्दी और फ्लू के मौसम के लिए बरते सावधानी

जैसे–जैसे शरद ऋतु और फिर शीत ऋतु के महीने आ रहे हैं, कनाडाई लोगों से आगामी मौसम के दौरान फ्लू के प्रति सावधानी बरतने का आग्रह किया जा रहा है। कनाडा में फ्लू का मौसम आमतौर पर दिसंबर और फरवरी के बीच चरम पर होता है, लेकिन वायरस इससे भी पहले फैल सकता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकारी शीघ्र टीकाकरण की वकालत कर रहे हैं तथा इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वार्षिक फ्लू टीका संक्रमण से बचाव तथा बीमारी की गंभीरता को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। कनाडा भर में स्वास्थ्य केंद्र फ्लू का टीकाकरण निशुल्क करते हैं। इन्फ्लूएंजा इन्फ्लूएंजा को आम तौर पर फ्लू के नाम से जाना जाता है। यह इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण होने वाली एक श्वसन संबंधी बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैलती है। ये वायरस मुख्य रूप से नाक, गले और फेफड़ों को प्रभावित करते हैं। फ्लू के लक्षणों में आमतौर पर बुखार आना, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द, खांसी, नाक बंद होना, नाक बहना, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। सामान्य सर्दी के विपरीत, जो अक्सर धीरे–धीरे बढ़ती है, फ्लू अचानक होता है और निमोनिया, ब्रोंकाइटिस जैसी गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है।

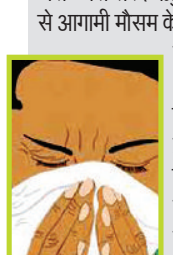

अजय हैं बॉलीवुड के असली दबंग

नई दिल्ली। अजय देवगन बॉलीवुड के वो स्टार हैं जो अक्सर बॉक्स ऑफिस पर किसी फिल्म के साथ मुकाबले में फंस जाते हैं। लेकिन वह कभी भी कदम पीछे नहीं हटाते हैं और इसलिए उन्हें बॉलीवुड का दबंग भी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। बॉक्स ऑफिस पर 15 साल, 14 मुकाबले और 5 में जीत तो यही साबित करता है। दिवाली 2024 पर जहां उनकी फिल्म सिंघम अगेन का मुकाबला भूल भुलैया 3 से होने जा रहा है। वहीं आने वाले समय में रेड 2 भी मुकाबले में फंस सकती है। अजय देवगन की 'रेड 2' और नेशनल क्रश कही जाने वाली एनिमल फेम एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी 'धड़क 2' 21 फरवरी, 2025 को एक साथ रिलीज होंगी। रेड 2 में अजय देवगन एक बार फिर अमय पटनायक के अपने अपने दमदार किरदार के साथ वापसी कर रहे हैं। 2018 में रिलीज हुई रेड ने बॉक्स ऑफिस पर 153 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

लाइफ Style

भूमिका

सलमान की फिल्म से किया कमबैक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमिका चावला ने सलमान खान की फिल्म 'तेरे नाम'से अपने करियर की शुरुआत की थी। ऑडियंस को सिल्वर स्क्रीन पर दोनों की केमिस्ट्री बहुत पसंद आई। रिलीज के बाद 'तेरे नाम'बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। साल 2008 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'यारियां'में काम किया, जिसमें उन्होंने गुरदास मान के साथ स्क्रीन शेयर किया।

सुपरस्टार मोहनलाल के साथ फिल्म 'भ्रमरम'में काम किया। भूमिका चावला ने साल 2023 में सलमान खान की 'किसी का भाई किसी की जान'के साथ बॉलीवुड में कमबैक किया। कुछ समय पहले भूमिका चावला ने खुलासा किया था कि पहली फिल्म की सक्सेस के बाद उन्हें 'जब वी मेट'और 'मुन्ना भाई एबीबीएस'जैसी फिल्मों में रिप्लेस कर दिया गया था। एक इंटरव्यू में भूमिका चावला ने बताया था कि उन्हें केवल एक बार निराशा महसूस हुई, जब करीना कपूर ने इम्तियाज अली की फिल्म 'जब वी मेट' में उनकी जगह ले ली। भूमिका ने यह भी बताया कि संजय दत्त की फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस'में उनकी जगह ग्रेसी सिंह को लिया गया था। भूमिका चावला ने कहा, 'मुझे केवल एक बार बुरा लगा, जब मैंने 'जब वी मेट'साइन की, लेकिन काम नहीं कर पाई। तब मेरे साथ बॉबी (देओल) को पेयर किया गया था और फिल्म को ट्रेन नाम दिया गया था। फिर, शाहिद (कपूर) और मैं, फिर शाहिद और आयशा और इसके बाद शाहिद और करीना (कपूर) को कास्ट किया गया। इस तरह से चीजें हुईं, लेकिन कोई बात नहीं। मुझे सिर्फ एक बार बुरा लगा और फिर कभी नहीं, क्योंकि मैं आगे बढ़ गई थी।

हॉलीवुड मसाला

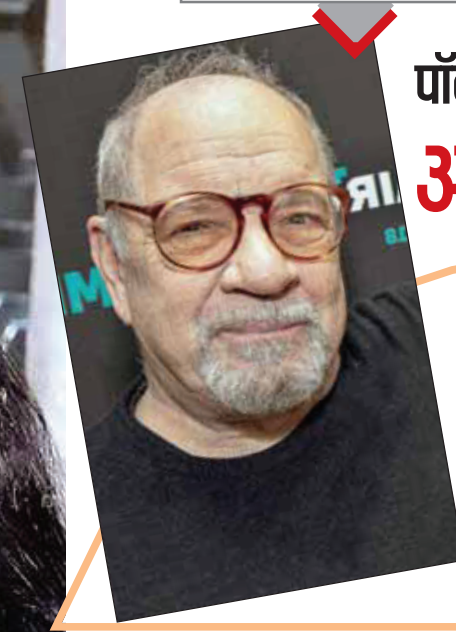

पॉल को नहीं पसंद आई जोकर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अमेरिकी पटकथा लेखक और फिल्म निर्देशक पॉल जोसेफ श्रेडर ने साल 2019 में आई जोकर और जोकर 2 को लेकर कई बातों से पर्दा उठाया है। उन्होंने पूरी फिल्म जोकर देखने की बजाय पॉल ने शॉपिंगा का मन बनाया और फिल्म छोड़कर कुछ खरीदने के लिए थिएटर से बाहर चले गए। इसके अलावा जोकर 2 का संगीत उन्हें कुछ खास पसंद नहीं आया।पॉल ने कहा, 'मुझे इनमें से कोई भी व्यक्ति पसंद नहीं आया। मैं उन्हें अभिनेता के रूप में पसंद नहीं करता।

भारत में 18 को रिलीज होगी 'द वाइल्ड रोबोट'

लॉस एंजिल्स। एनिमेटेड फिल्म 'द वाइल्ड रोबोट' ने साल 2024 में यूएसए के बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। अब यह फिल्म 18 अक्टूबर को अंग्रेजी और हिंदी में पूरे भारत के सिनेमाघरों में 3डी और आईमैक्स में रिलीज हो रही है। 'द वाइल्ड रोबोट' की कहानी एक सहायक रोबोट रोज (लुपिटा न्योंगो) पर केंद्रित है, जो एक निर्जन द्वीप पर पहुंच जाती है। अपने नए परिवेश में ढलने के दौरान, वह ब्राइटबिल (किट ओ'कॉनर) नामक एक अनाथ हंस की मां बन जाती है और कैथरीन ओ'हारा, पेड्रो पास्कल और अन्य द्वारा आवाज दिए गए द्वीप के अन्य जानवरों के साथ दोस्ती करती है। इस एनीमेशन फिल्म और इसकी कहानी को समीक्षकों और दर्शकों से सकारात्मक समीक्षा मिली। फिल्म ने यूएस के सिनेमाघरों में तकरीबन 842 करोड़ रुपए की कमाई की।

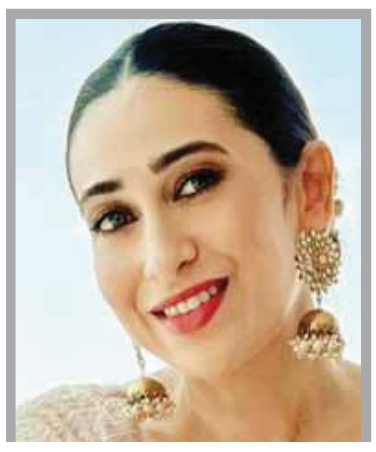

करीना की बात सुन हैरान रह गई थीं

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सैफ अली खान और मशहूर एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने काफी दिनों तक एक दूसरे को डेट करने के बाद शादी रचाई थी। इन दोनों की लव स्टोरी के बारे में जब करिश्मा कपूर को पता चला था तो हैरान रह गई थीं। हाल ही में, करिश्मा और करीना कपूर नेटफ्लिक्स के शो 'द कपिल शर्मा शो' में दिखाई दी थीं। करिश्मा कपूर ने 'द कपिल शर्मा शो'में एक दिलचस्प घटना बताई। उन्होंने उस दिन को याद किया जब करीना ने सैफ के साथ अपने रिश्ते के बारे में पहली बार उनसे खुलकर बात की थी। करिश्मा ने बताया कि वह लंदन की सड़कों पर चल रही थीं, तभी करीना ने उन्हें फोन किया। करीना ने कहा कि मुझे लगता है कि मुझे आपको कुछ बताना है, इसलिए आपको बैठ जाना चाहिए।

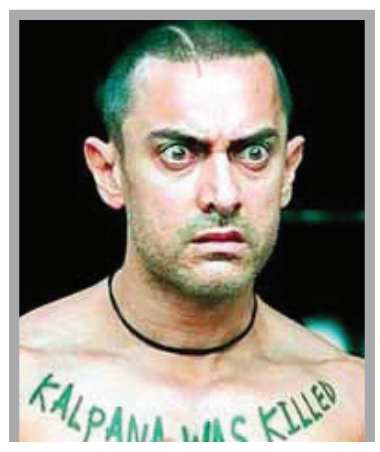

'गजनी-2' को लेकर कस ली है कमर

मुंबई। आमिर खान अपनी अगली सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्देशक लोकेश कनगराज से बातचीत कर रहे हैं, जो 2026 में फ्लोर पर जा सकती है। साथ ही, वो अपनी पिछली फिल्म 'गजनी' के सीक्वल 'गजनी 2' को लेकर भी प्लान कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अपनी इस अगली फिल्म के लिए वो साउथ के फिल्ममेकर अल्लू अरविंद के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने अल्लू अरविंद और मधु मंटेना से कहा कि वो 'गजनी 2' के लिए एक असरदार सब्जेक्ट ढूंढें। मधु मंटेना अपनी टीम के साथ अब इस फिल्म के आइडिया पर काम कर रहे हैं। आमिर खान जहां साल 2025 में 'सितारे ज़मीन पर' को लेकर चर्चा में हैं, वहीं खबर है कि अपनी अपकमिंग फिल्मों के लिए वो कई फिल्म निर्माताओं से बात कर रहे हैं।

टीवी मसाला

'केबीसी 16' कंटेस्टेंट प्रशांत ने अपनी लाचारी की कहानी सुनाई

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन का शो 'केबीसी 16' कई वजहों से दर्शकों का फेवरेट बना हुआ है। इस शो में अमिताभ की मेजबानी, जेनरल नॉलेज को लेकर त0माम जानकारियां, हंसी-मजाक और बीच-बीच में एक्टर की लाइफ से जुड़े किस्सों के अलावा ये शो कंटेस्टेंट्स की इमोशनल कहानियों को भी दर्शकों से खूब जोड़ता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब अपनी लाचारी और इलाज के लिए परेशान प्रशांत शो में पहुंचे। 'कौन बनेगा करोड़पति' के 16वें सीज़न में अगले कंटेस्टेंट बनकर पहुंच रहे है महाराष्ट्र के सांगली के निवासी प्रशांत प्रमोद जामदाड़े, जो अब हॉट सीट पर नजर आनेवाले हैं। प्रशांत चलने से लाचार हैं, जिसकी वजह उनकी सर्जरी है। जब अमिताभ ने उनकी पूरी कहानी सुनी तो वो दुखी हो गए। अमिताभ ने हॉटसीट पर बैठने के दौरान प्रशांत की मदद की। जैसा कि हमेशा अमिताभ पूछा करते हैं, उन्होंने प्रशांत से भी यहा सवाल किया। उन्होंने पूछा कि वह जीती गई धनराशि का क्या करना चाहते हैं? इसपर दिव्यांग प्रशांत ने कहा कि वह अपने पैर का सही इलाज करवाना चाहते हैं। फिर उन्होंने पूछा कि क्या आपने किसी डॉक्टर से सलाह ली है? इस पर प्रशांत ने कहा कि सांगली में अच्छे हॉस्पिटल नहीं हैं। इसपर अमिताभ ने आश्वासन देते हुए उन्हें कहा- मुंबई में कई बेहतरीन हॉस्पिटल हैं जहां नसों से जुड़ी समस्या का अच्छा इलाज होता है। उन्होंने कहा- मैं आपकी मदद करने की पूरी कोशिश करूंगा।

देवोलीना ने करवाया मैटरनिटी फोटोशूट

नई दिल्ली। टीवी की 'गोपी बहू' देवोलीना भट्टाचार्जी जल्द ही मां बनने वाली हैं। वह अपने इस प्रेग्नेंसी फेज को खूब इंजॉय कर रही हैं। देवोलीना ने हाल ही मैटरनिटी फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में देवोलीना बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो और पहली बार मां बनने की खुशी की चमक खूब झलक रही है। देवोलीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मैटरनिटी फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें वह किसी तस्वीर में पति शहनवाज संग रोमांटिक होती नजर आ रही हैं, तो किसी में बेबी बंप को सहला रही हैं। तस्वीर में उनका प्यारा डॉगी एंजल भी है। तस्वीरें शेयर कर देवोलीना ने लिखा है, 'पैरेंट्स के रूप में हमारी एडवेंचर भरी जर्नी जल्द शुरू होने वाली है और मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं।' इन तस्वीरों पर प्यार लुटाते हुए फैंस ने दिल छू लेने वाले कमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है, 'किसी की नजर ना लगे। बहुत खूबसूरत।' एक और कमेंट है, 'बहुत सुंदर लग रही हो देवोलीना।' फैंस के अलावा कपल के दोस्तों ने भी उन्हें बधाई दी है और प्यार उड़ेला है।

इस फिल्म को देखने के बाद कई दिनों तक नहीं सो पाए थे दर्शक...

नई दिल्ली। आजकल हॉरर फिल्मों का क्रेज है। चाहे वो हॉरर कॉमेडी हो या भी भयंकर रूप से डराने वाली भूतिया फिल्में, लोग इनका खूब मजा ले रहे हैं। हाल में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया, जिसके बाद हॉरर फिल्मों का बाजार फिर गर्म हो गया है। आज हम एक ऐसी हॉरर फिल्म की बात कर रहे हैं, जिसमें टीवी की कई सितारे नजर आए थे और पर्दे पर गजब का खौफनाक मंजर पेश किया था. दोस्तों की ये कहानी और उनके साथ हुई घटनाएं आपको खूब डराती हैं।

फिल्म की कहानी : फिल्म में सात दोस्तों की अनोखी कहानी को दिखाया गया है। ये सातों दोस्त कई सालों से बंद पड़े होटल में जाते हैं, जो पहले एक मेंटल एसाइलम हुआ करता था। इस होटल में उनके साथ अनहोनी घटनाएं होने लगती हैं। होटल के अंदर से कौन-कौन जिंदा बाहर निकल पाता है और कौन इस रहस्यमयी होटल में गायब हो जाता है, इसका पता को फिल्म देखने पर ही आपको चलेगा। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखाया था, लेकिन ओटीटी पर इसे अच्छा रिस्पांस मिला है।

11 साल पहले हुई थी रिलीज

हम बात कर रहे हैं साल 2013 में आई फिल्म हॉरर स्टोरी की। फिल्म को आयुष रैना ने डायरेक्ट किया था और इसकी स्टोरी विक्रम भट्ट ने लिखी थी। फिल्म में टीवी के कई जाने माने सितारे नजर आए थे और दर्शकों को खूब डराया था। करण कुंद्रा और निशांत मलकानी ने इसी फिल्म के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। इनके साथ ही फिल्म राधिका मेनन, रवीश देसाई, हसन जैदी, अपर्णा बाजपेयी, नंदिनी वैद और हीतल सिंह जैसे कलाकार भी थे।

'सिटाडेल' के ट्रेलर लॉन्च में छा गए वरुण-सामंथा

नई दिल्ली। वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु अभिनीत वेब सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' ट्रेलर जारी हो चुका है। ट्रेलर एक भव्य इवेंट में लॉन्च किया गया है, जिसमें वरुण धवन और सामंथा भी शानदार अंदाज में पहुंचे। मंच पर दोनों सितारों ने साथ-साथ एंट्री ली। दिलचस्प बात है कि दोनों मैचिंग आउटफिट में नजर आए। सामंथा और वरुण दोनों ब्लैक कलर के आउटफिट में ट्रेलर लॉन्च इवेंट में चार चांद लगाने पहुंचे। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पूछा गया कि ट्रेलर में आप पावर पैक नजर आ रहे हैं। एक्शन है का धमाल है। आपने क्या इसके लिए किसी खास तरह की तैयारी की? स्पेशल ट्रेनिंग ली? इस पर वरुण धवन ने कहा, 'इसके लिए तमाम तरह की तैयारियां की गई हैं। हमने राज और डीके और सीता की छत्रछाया में काम किया। उम्मीद है कि अब हमारा यह काम दर्शकों को पसंद आएगा।' सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, 'इस सीरीज में हमें सभी का बहुत सपोर्ट मिला।

इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कर दिया था धमाका

60 साल पहले की वो हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी मर्डर मिस्ट्री फिल्म क्लाइमेक्स इतना खौफनाक कि दोबारा देखने को मजबूर हुए थे लोग

नई दिल्ली। *इंडियन सिनेमा में मर्डर मिस्ट्री फिल्मों का क्रेज शुरू से ही ज्यादा रहा है। अब मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर कंटेंट का ठेका ओटीटी ने ले लिया है। साल दर साल ओटीटी पर इस जोनर की कई सीरीज और फिल्में रिलीज होती हैं। वहीं बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में भी साल में इक्का-दुक्का मर्डर मिस्ट्री सस्पेंस थ्रिलर फिल्म बनती रहती हैं। आज हम आपका बताने जा रहे हैं 60 साल पहले रिलीज हुई इस हिंदी मर्डर मिस्ट्री फिल्म के बारे में, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया था। इस फिल्म को हिंदी सिनेमा में अब तक की सबसे बड़ी सस्पेंस थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री फिल्म का टैग मिला है। इस फिल्म के आगे आज की सस्पेंस-थ्रिलर फिल्में और वेब-सीरीज फीकी नजर आती हैं।*

क्या है इस फिल्म का नाम?

हम बात कर रहे हैं साल 1965 में रिलीज हुई फिल्म 'गुमनाम' की, जिसे राजा नवाथे ने डायरेक्ट किया था। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म थी, जिसमें मनोज कुमार, नंदा, प्राण, हेलेन, महमूद, तरुण बोस, मदन पुरी, मनमोहन और धूमल जैसे स्टार नजर आए थे। इस फिल्म का गाना 'हम काले हैं तो क्या हुआ दिलवाले हैं' आज भी लोगों की जुबां पर रटा हुआ है। फिल्म की कहानी और इसका सस्पेंस दर्शकों को आज भी थ्रिल कर देता है। 'गुमनाम' में मनोज कुमार एक पुलिसवाले के रोल में हैं, जो फिल्म में कातिल का पता लगाते हैं।

क्या है कहानी और कितनी की कमाई?

फिल्म की कहानी की बात करें यह एक द्वीप पर फंसे 8 लोगों के ईर्द-गिर्द घूमती है। ऐसे में ये सभी एक हवेली में पहुंचते हैं, जहां एक संदिग्ध शख्स पहले से मौजूद होता है। इसके बाद हवेली में इन 8 लोगों में से कुछेक को मौत के घाट उतारा जाता है, लेकिन फिल्म के अंत तक किसी को पता नहीं चलता है कि यह मर्डर क्यों हो रहे हैं और कौन कर रहा है। फिल्म का क्लाईमैक्स इतना रूह कंपा देने वाला है, कि फिल्म को दोबारा देखने का मन करेगा। फिल्म 'गुमनाम' ने उस वक्त बॉक्स ऑफिस पर 2.6 करोड़ रुपए की कमाई की थी। आईएमडीबी ने फिल्म को 10 में से 6.9 रेटिंग दी है। अगर आप मर्डर मिस्ट्री फिल्मों के शौकिन हैं तो गुमनाम फिल्म को देख सकते हैं।

पुलिस-निगम की संयुक्त टीम ने किया आईटीएमएस सिग्नल का निरिक्षण

रायपुर ।रायपुर स्मार्ट सिटी, यातायात पुलिस एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ कार्य एजेंसी एल.एंड.टी. की टीम गुरुवार को एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली के तहत विभिन्न चौक चौराहों पर स्थापित सिग्नल व उनकी टाइमिंग आदि का निरीक्षण करने निकली। ये ट्रैफिक सिग्नल और कैमरे शहरी यातायात को व्यवस्थित करने के साथ ही अपराध नियंत्रण हेतु सवेर्लांस में उपयोगी हैं। संयुक्त दल में रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्ज्वल पोरवाल, डीएसपी ट्रैफिक गुरजीत सिंह, नगर निगम के कार्यपालन अधिकारी नितीश झा, आईटीएमएस प्रोजेक्ट की असिस्टेंट मैनेजर श्रीमती नेहा पटेल, डिप्टी मैनेजर रंजीत रंजन, असिस्टेंट मैनेजर शैलेन्द्र पटेल कार्य एजेंसी एल.एंड.टी. के मैनेजर दीपक मालवीय शामिल थे।

कलेक्टर ने दक्षिण विधानसभा के मतदान केंद्र के 85 बूथों का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उप-निर्वाचन 2024 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने मतदान केंद्रों के 85 बूथों का निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र में मतदाताओं के प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग गेट तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाए और मतदाताओं के बैठने के लिए यथासंभव वेटिंग हॉल और मतदान केंद्रों में आवश्यकतानुसार बेंच लगाया जाएं। मतदान केंद्र में कुर्सी एवं टेबल लगाया जाए। साथ ही मतदान केंद्र में पेयजल, बिजली, शौचालय, मतदान दलों के ठहरने की व्यवस्था बेहतर की जाएं। एसएसपी संतोष सिंह ने भी मतदान दलों का निरीक्षण करते हुए कहा कि मतदान केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाएं। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद, एडीएम देवेंद्र पटेल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, रिटर्निंग ऑफिसर पुष्पेंद्र शर्मा, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर राकेश देवांगन समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कटोरातालाब के संत कवर राम उच्चतर माध्यमिक शाला, प्रियदर्शनी नगर के संत ज्ञानेश्वर अंग्रेजी माध्यम स्कूल, मठपुरैना के शासकीय प्राथमिक शाला, भाठागांव के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, चंगोराभाठा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, संतोषी नगर के शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला, संतोषी नगर के राम मनोहर लोहिया शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, संजय नगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया।

आचार्य विद्यासागर के अवतरण दिवस पर एमएमआई में भोजन वितरण

रायपुर। आचार्य विद्यासागर मुनिराज के पावन अवतरण दिवस पर एमएमआई हॉस्पिटल में विशेष सेवा आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए भोजन वितरण का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें 150 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया। इस सेवा कार्य के मुख्य लाभार्थी परिवार थे राकेश कुमार, राजेश कुमार, अंजू जैन, मोना जैन, केयूर, सौम्या जैन और ईशान जैन। इन सभी ने इस सामाजिक कार्य में सहयोग करते हुए मानव सेवा का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

न्यायालय तहसीलदार भटगांव तहसील-भटगांव, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0.....अ-21/2023-24

ईश्तहार (भूमि विक्रय हेतु)

रहमन प्रति सुभाष

आम जनता ग्राम-धरमपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक रहमन आ0 जुगला जाति पनिका निवासी ग्राम-धरमपुर तहसील-भटगांव जिला-सूरजपुर द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया है कि ग्राम-धरमपुर तहसील -भटगांव जिला-सूरजपुर छ0ग0 स्थित भूमि खसरा नं.1965 रकबा 0.800 हे0 भूमि को आवेदक को शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि है। आवेदक को अपने भाई के बिमारी के ईलाज कराने हेतु पैसों की आवश्यकता पड़ने के कारण उक्त भूमि को अनावेदक सुभाष राय आ0 गुरूपद राय सा0 गांधीनगर अम्बिकापुर को विक्रय करने का सौदा तय कर बतौर एडवांस 3,00,000/-(तीन लाख रुपए) प्राप्त कर चुका है। उक्त भूमि शासकीय पट्टे से प्राप्त होने के कारण भूमि को विक्रय करने की अनुमति बावत श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने पर न्यायालय कलेक्टर सूरजपुर के पृष्ठांकन क्रमांक/529/वाचक/2023 सूरजपुर दिनांक 06/11/2023 अनुसार जांच प्रतिवेदन की कार्यवाही पूर्ण कर प्रकरण प्रतिवेदन सहित प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि को विक्रय करने में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04/11/2024 को मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। चूंकि सूरजपुर जिला अनुसुचित जनजाति घोषित अधिसूचित क्षेत्र का है। इस कारण यदि कोई अनुसुचित जनजाति का व्यक्ति इस भूमि का क्रय करना चाहता है तो वह इस समयावधि में आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। उसे भूमि क्रय करने में सामान्य वर्ग के व्यक्ति की तुलना में प्राथमिकता दिया जावेगा। आज दिनांक 16/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार

भटगांव जिला सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0...../ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आ0 बुढ़िया व अन्य 02, निवासी ग्राम डिगमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115,116 के अंतर्गत श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम मेण्ड्राखुर्द में भूमि खसरा नंबर 627/3 रकबा 0.140 हे0 स्थित है। राजस्व अभिलेख में खसरा नंबर 627/3 के स्थान पर त्रुटिवश खसरा नंबर 627/2 अंकित हो गया है। जबकि उक्त भूमि बंटवारे से प्राप्त भूमि है। आवेदकगण द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/11/2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 14/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार

अम्बिकापुर-2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.....अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिरूद्व एक्का आ0 राजेन्द्र एक्का जाति उरांव निवासी डकडौआ तहसील बगीचा जिला जशपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 91/16 रकबा 0.028 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रायोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्षा, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 14/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)

अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.....अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूनम तिवारी पिता धीरेन्द्र नाथ तिवारी जाति ब्राहम्ण निवासी पटेलपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4998/80 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रायोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 14/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)

अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) ईश्तहार

रा0प्र0क्र0/ब-121/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 मुस्ताक आ0स्व0 महबूब हुसैन निवासी ग्राम कृष्णनगर तहसील कुसमी जिला बलरामपुर रामानुजगंज छ0ग0 के ?द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4989/38 रकबा 0.012 हे0 भूमि को अनावेदक सरजू यादव आ0 रामकुमार यादव निवासी ग्राम सोनक्यारी तहसील सन्ना जिला जशपुर छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपए 46,11,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 30.10.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 09/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार

अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधीकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) // उद्घोषणा//

क्रमांक//वाचक-1/व्यपवर्तन/2024

पत्थलगांव, दिनांक 16/10/2024

एतद् द्वारा समस्त आम जनता ग्राम तिलडेगा प.ह.न. 05, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक रणवीर सिंह पैकरा पिता रामचंद्र सिंह जाति कवर निवासी ग्राम बंदना तहसील सीतापुर जिला- सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम तिलडेगा प.ह.न. 05 ख०नं० 910/9 रकबा 0.061 हे0 617.93 वर्गमीटर स्थित आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 30.10.2024 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से ? जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)

सक्षम प्राधीकारी

पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

जनसंपर्क विभाग के सचिव ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जनसंपर्क विभाग के सचिव पी. दयानंद ने गुरुवार को विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में जनसंपर्क अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जनसंपर्क अधिकारियों को राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सचिव दयानंद ने कहा कि लोगों तक योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर सूचना क्रांति का है ऐसे में सोशल मीडिया का महत्व बढ़ते जा रहा है। जनसंपर्क अधिकरियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समाचार माध्यमों को त्वरित रूप से समाचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समाचार की भाषा शैली सरल, आकर्षक और पठनीय होनी चाहिए। सफलता की कहानी में किसी व्यक्ति के जीवन आए बदलाव के बारे में तथ्यपरक जानकारी और सुसंगत फोटोग्राफ का उपयोग किया जाए। राज्य सरकार के फ्लैगशिप योजनाओं और नवाचारी कार्यों के संबंध में समय-समय पर विशेष लेख नियमित रूप से जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि नगरीय योजनाओं से संबंधित होर्डिंग्स नगरीय क्षेत्रों में लगाए जाएं और इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं की होर्डिंग्स तहसील मुख्यालयों और जनपद पंचायतों के परिसर में लगाए जाएं। उन्होंने बैठक में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, नेशनल मीडया और क्षेत्रीय स्तर पर प्रिंट मीडिया में प्रचार-प्रसार कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने बैठक में जिला जनसंपर्क कार्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे शासन के कार्यों और फ्लैगशिप योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो सके।

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर

जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.....

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि सूरज पैकरा आ0 कबीर लाल जाति कंवर निवासी ग्राम पंचायत बंशीपुर, उप तहसील-जरही, तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने स्वयं सूरज पैकरा आ0 कबीर लाल का जन्म दिनांक 11/02/2004 को जन्म ग्राम पंचायत बंशीपुर में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो, वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक //2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जावेगा। ग्राम कोटवार से मुनादी कराकर एवं स्थानीय समाचार में ईश्तहार का प्रकाशन कराया जावें। यह उदघोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक //2024 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

उप तहसील जरही, प्रतापपुर

जिला सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर

जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.....

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि पुन्नी लाल गोंड आ0 महेश जाति गोंड निवासी ग्राम पंचायत बंशीपुर, उप तहसील -जरही, तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा अपने स्वयं पुन्नी लाल आ0 महेश का जन्म दिनांक 01/01/1991 को जन्म ग्राम पंचायत बंशीपुर में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो, वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक //2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जावेगा। ग्राम कोटवार से मुनादी कराकर एवं स्थानीय समाचार में ईश्तहार का प्रकाशन कराया जावें। यह उदघोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक //2024 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

उप तहसील जरही, प्रतापपुर

जिला सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

राजस्व प्रकरण क्र./ब-121/2024

ईश्तहार

आवेदक का नाम कामेश्वर सिंह आ० शिवराम जाति गोड़ निवासीग्राम रामनगर प०ह०नं०.... ..तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ०ग० ने अपने बुआ का मृत्यु दिनांक 16-08-2016 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 18/10/2024 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के मध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/10/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.ब/121वर्ष

ग्राम - केवरा प.ह.न.12

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक कुशवाहा पिता धनेश्वर जाति कोईरी निवासी ग्राम केवरा प.ह.न. 12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र /पुत्री रागिनी कुशवाहा आ० दीपक कुशवाहा का जन्म/ दिनांक 26/07/2010 को स्थान केवरा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म का पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र /पुत्री रागिनी कुशवाहा का जन्म/ पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत केवरा को आदेशित करने आवेदन न पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/10/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 05/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

तहसील भैयाथान

जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.ब/121वर्ष

ग्राम - केवरा प.ह.न.12

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आनन्द लाल पिता मन्नूराम जाति कोईरी निवासी ग्राम केवरा प.ह.न. 12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री प्रीति कुशवाहा आ० आनन्द लाल कुशवाहा का जन्म दिनांक 05/10/2010 को स्थान केवरा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म का पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र /पुत्री प्रीति कुशवाहा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत केवरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/10/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 05/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

तहसील भैयाथान

जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.ब/121वर्ष

ग्राम - केवरा प.ह.न.12

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दीपक कुशवाहा पिता धनेश्वर जाति कोईरी निवासी ग्राम केवरा प.ह.न. 12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र /पुत्री प्रियांश कुशवाहा आ० दीपक कुशवाहा का जन्म दिनांक 01/01/2012 को स्थान केवरा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म का पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र /पुत्री प्रियांश कुशवाहा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत केवरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/10/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 05/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

तहसील भैयाथान

जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ0ग0) ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुकेश पाण्डेय पिता जितेन्द्र मोहन पाण्डेय जाति ब्राहम्ण निवासी दरीपारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नबर 3583/14 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 04/11/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),

अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.ब/121वर्ष

ग्राम - खुटरापारा प.ह.न.07

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मानिक यादव पिता सुखलाल जाति अहीर निवासी ग्राम खुटरापारा प.ह.न. 07 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के नानी लखपतिया पति रामनाथ का मृत्यु दिनांक 01/07/2008 को स्थान खुटरापारा में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने नानी लखपतिया पति रामनाथ का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत खुटरापारा को आदेशित करने आवेदन न पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/10/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 17/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार

तहसील भैयाथान

जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0) ईश्तहार

रा०प्र०क्र०.....अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक किशोरी राम भगत आ0 बलभद्र राम भगत जाति उरांव निवासी पतरापारा तहसील बगीचा जिला जशपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 49/6 रकबा 0.018 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रायोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्षा, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचारधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 14/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)

अम्बिकापुर

शीघ्रता के साथ पूर्ण करें अपार आईडी के कार्य- श्री व्यास

पीएम श्री स्कूल के भौतिक निरीक्षण का निर्देश

कलेक्टर ने ली शिक्षा,आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास व खेल विभाग की समीक्षा बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर रोहित व्यास ने शिक्षा, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग और खेल विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। जिसमें कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को अपार आईडी को लेकर विशेष फोकस करने की बात कही तथा जिला शिक्षा अधिकारी के साथ-साथ ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपार आईडी के लिए लगने वांछित दस्तावेजों, जिन विद्यार्थियों के पास नहीं है उन्हे शीघ्र अपडेट कराकर शत प्रतिशत अपार आईडी बनाने की प्रक्रिया को पूरा किया जाए ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत विद्यार्थियों के समग्र विकास और शैक्षिक प्रगति को ट्रैक करने के साथ ही एक राष्ट्र एक छात्र आईडी की परिकल्पना को मूर्त रूप प्रदान किये जा सके । उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक को विकासखंड, संकुल और शाला स्तर पर प्रक्रिया की सतत निगरानी के निर्देश दिये। इसके साथ ही ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर को अपने क्षेत्र के पीएम श्री स्कूल के अनिवार्य रूप से साप्ताहिक भौतिक निरीक्षण के निर्देश दिये। इसके साथ ही बैठक में जाति-निवास प्रमाण पत्र व उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के सम्बंध में में भी विस्तृत चर्चा की गई।

खेल विभाग से चर्चा में कॉलेज ग्राउण्ड में प्रस्तावित सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक (4 लेन) पर जानकारी ली गई। जिसके प्रस्ताव के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही योजनाबद्ध तरीके से इसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश खेल अधिकारी को दिये गये। इसके साथ ही खेलो इंडिया योजना के तहत सूरजपुर के ग्राम पंचायत हर्राटिकरा में ''खेलो इंडिया लघु केन्द्र फुटबॉल खेल प्रशिक्षण'' संचालन पर चर्चा की गई । जहां वर्तमान में चयन ट्रॉयल के माध्यम से चयनित 19 बालिका व 20 बालक सहित कुल 39 खिलाड़ी निःशुल्क फुटबॉल खेल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें हैं।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भवन निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के स्वीकृत कार्यो की जानकारी, आदिवासी कन्या परिसर, आदिवासी सांस्कृतिक दलों की सहायता तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के ऑनलाइन भुगतान पर चर्चा की गई। इसके साथ ही बैठक में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के विषयों में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी ललित राम पटेल, सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग संकल्प साहू, खेल अधिकारी श्रीमती आरती सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न आयोजनो के साथ मनेगा राज्योत्सव

आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक, सौपी गई जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्योत्सव के कार्यक्रमो को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजन किये जाने की तैयारियों के मद्देनजर कलेक्टर द्वारा अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें जिम्मेदारी सौपी गई है। गुरुवार को यहाँ जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राज्योत्सव 2024 के अवसर पर राज्योत्सव के आयोजन को लेकर कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में जिला कार्यालय प्रमुखों के साथ बैठक संपन्न हुई। इस वर्ष राज्योत्सव पर यहाँ के स्टेडियम ग्राउंड में 5 नवंबर को एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर कार्यक्रम किये जाने के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है। जैसे कि इन दायित्वों में कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विकास विभाग की विभागीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाए। विभिन्न विभाग में विशेष उपलब्धियों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाए। कार्यक्रम स्थल पर राज्य शासन के विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं सफल परियोजनाओं का प्रदर्शन किया जाए। विगत वर्षो की उपलब्धियों को भी प्रदर्शित की जाए। शासन के कल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को कार्यक्रम में लाभवन्त किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रम व दलों की व्यवस्था, मंच व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, आवास एवं भोजन व्यवस्था, आमंत्रण पत्र एवं वितरण की व्यवस्था, फूल माला एवं पुष्प गुच्छा की व्यवस्था, पुरस्कार स्मृति चिन्ह बैज व प्रमाण पत्र की व्यवस्था, मंच संचालन, मंच पर स्वल्पाहार की व्यवस्था, प्रचार-प्रसार, नियंत्रण कक्ष व चिकित्सा की व्यवस्था, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्था, सुरक्षा शांति एवं यातायात व्यवस्था, बेरिकेड्स की व्यवस्था, पंडाल कुर्सी एवं बैठक व्यवस्था, वीडियोग्राफी एवं फोटो ग्राफी का व्यवस्था एवं समस्त विभाग द्वारा राज्योत्सव स्थल पर विभागीय विषय एवं योजनाओं पर आधारित विभागीय प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

महाविद्यालय में हुआ जनजाति समाज के गौरवशाली अतीत पर कार्यशाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले जे शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में जनजाति समाज के गौरवशाली ऐतिहासिक सामाजिक एवं अध्यात्मिक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला श्रीमती निर्मला देवी धुर्वे जनपद सदस्य के मुख्य आथित्य, प्राचार्य जीतन राम पैकरा के अध्यक्षता, अमर सिंह सरपंच, धन सिंह, शिवधन सिंह के विशिष्ट आथित्य में धीरेंद्र कुमार जायसवाल कार्यक्रम संयोजक एवं आभा रंजना कुजूर सहसंयोजक के संयोजन में छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं सरगुजा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम सरस्वती माता देवी भीमराव अंबेडकर, संत गहिरा गुरु, राज मोहिनी देवी, बिरसा मुंडा वीर नारायण सिंह, रानी दुर्गावती आदि के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य के द्वारा समस्त अतिथियों के प्रति स्वागत उद्बोधन किया गया और कार्यक्रम विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य अपने विचार में जनजातीय समाज के मूल आधार, जल, जंगल, जमीन को संरक्षित करने पर बल दिया।

कार्यक्रम संयोजक धीरेंद्र कुमार जायसवाल के द्वारा जनजाति समाज के गौरवशाली इतिहास उनकी बोली भाषा आचार विचार विवाह संस्कृति अतिथि सत्कार एवं साथ-साथ उनके गौरवशाली सामाजिक और आध्यात्मिक अच्छाइयों को प्रस्तुत किया गया। पिंटू कुमार के द्वारा जनजाति समाज की महत्वपूर्ण पहचान एवं धरोहर को सहेजने पर विचार बल दिया। सचिन कुमार के द्वारा जनजाति समाज के उत्कृष्ट कार्यो एवं विद्रोह संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। विशिष्ट अतिथि शिवधन सिंह के द्वारा जनजाति विशेषताओं को रेखांकित किया गया। अतिथि अमर सिंह के द्वारा अपने विचार समाज की मौलिकता को बचाये रखने पर बल दिया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा संपूर्ण जनजाति समाज और उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा लेने की बात कही गई। सहसंयोजक के द्वारा जनजाति समाज पर अपने विचार व्यक्त किए गए और उनके द्वारा सभी अतिथियों प्राचार्य शिक्षकों कर्मचारी और छात्र-छात्राओं मीडिया पुलिस सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक अखिलेश रवि, प्रियांशु जायसवाल, चंद्रदेव राजवाड़े, शिखा दुबे, सीमा राजवाड़े एवं कर्मचारी हरिशंकर दरिया, श्रीमती शांडिल्य, भोला यादव उपस्थित रहे।

जिले के पंचायतों में चलाया गया आयुष्मान कार्ड महाअभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन सूरजपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य एवं भारत योजना डिजिटल मिशन के अंतर्गत जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में गुरुवार को आयुष्मान कार्ड महाअभियान चलाया गया। जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका शिक्षक, आयुष्मान ऑपरेटर व अन्य संबंधित कर्मचारियों को कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा महा अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए है। आयुष्मान कार्ड के लिए आवश्यक दस्तावेज राशन कार्ड, आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर अनिवार्य है। जनपद पंचायत ओड़गी में नेटवर्क विहीन पारा व मोहल्ले को नेटवर्क क्षेत्र में लाकर आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण-पी. दयानंद

रायपुर। जनसंपर्क विभाग के सचिव श्री पी. दयानंद ने कहा है कि राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में जनसंपर्क अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जनसंपर्क अधिकारियों को राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। पिछले 10 माह में राज्य सरकार ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के लिए अनेक फ्लैगशिप योजनाएं शुरू की हैं, जिससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल व सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। वे आज नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद भवन में विभागीय काम-काज की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। सचिव श्री पी दयानंद ने कहा कि लोगों तक योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर सूचना क्रांति का है ऐसे में सोशल मीडिया का महत्व बढ़ते जा रहा है। जनसंपर्क अधिकरियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समाचार माध्यमों को त्वरित रूप से समाचार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सचिव श्री पी दयानंद ने कहा कि समाचार की भाषा शैली सरल, आकर्षक और पठनीय होनी चाहिए। सफलता की कहानी में किसी व्यक्ति के जीवन आए बदलाव के बारे में तथ्यपरक जानकारी और सुसंगत फोटोग्राफ का उपयोग किया जाए। राज्य सरकार के फ्लैगशिप योजनाओं और नवाचारी कार्यों के संबंध में समय-समय पर विशेष लेख नियमित रूप से जारी किया जाए।

उन्होंने कहा कि नगरीय योजनाओं से संबंधित होर्डिंग्स नगरीय क्षेत्रों में लगाए जाएं और इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं की होर्डिंग्स तहसील मुख्यालयों और जनपद पंचायतों के परिसर में लगाए जाएं। उन्होंने बैठक में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, नेशनल मीडया और क्षेत्रीय स्तर पर प्रिंट मीडिया में प्रचार-प्रसार कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने बैठक में जिला जनसंपर्क कार्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे शासन के कार्यों और फ्लैगशिप योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विभागीय सेट-अप की भी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। सचिव श्री दयानंद ने छत्तीसगढ़ संवाद के विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में संचालक जनसंपर्क श्री अजय कुमार अग्रवाल, अपर संचालक श्री जे.एल. दरियो, श्री उमेश मिश्रा, श्री संजीव तिवारी, श्री आलोक देव, श्री संतोष मौर्य, श्रीमती हर्षा पौराणिक सहित विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

4 साल बीत गए पर पंचायत द्वारा नहीं दिया गया सीमेंट सप्लाई जा भुगतान

परेशान सप्लायर लगा रहा दफ्तरों के चक्कर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दुरंचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत अवंतिकापुर में पंचायत के द्वारा सनतकुमार यादव के पास से पंचायत के द्वारा सीमेंट लिया गया था। करीब 4 साल पूर्व 41 हजार के सीमेंट का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। सप्लायर द्वारा लगातार राशि की मांग की गई। लेकिन पैसा नहीं देने पर उन्होंने जनवरी 2024 में कलेक्टर ऑफिस में आवेदन लगाया गया था जिसके पश्चात कुछ दिन बाद जनपद के अधिकारी जांच में आए थे तो सचिव के द्वारा बोल दिया गया की 5 से 7 दिनों में सप्लायर का भुगतान कर दिया जाएगा।जैसे ही अधिकारी जांच करके वापस होते हैं 5 से 7 दिन बितता है फिर सचिव से बात करने पर बोला जाता है कि जहां जाना हो और जिसके पास शिकायत करना है करते रहो। मैं पैसा नहीं दे पाऊंगा। ऐसे ही जनपद में भी आवेदन लगाया गया था। इसके बाद जनपद के भी अधिकारी फिर जांच में आए थे। उसे समय भी सचिव द्वारा अधिकारियों के सामने दो से तीन दिनों के बीच पैसे देने की बात कही गई थी लेकिन आज तक पैसा नहीं मिलने से सप्लायर काफी परेशान है वही लगातार दफ्तरों का चक्कर लगाकर थक चुका है। इस संबंध में अवंतिकापुर सचिव चंद्र प्रताप तिवारी से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि सप्लायर से हमारी बात हो गई है एक-दो दिनों में हम पैसा दे देंगे।

प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के मुख्य आतिथ्य में हुआ सायकल वितरण

जरही --शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सोनगरा में आयोजित सरस्वती सायकल वितरण कार्यक्रम में छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए सायकल प्रदान की गई. यह पहल शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमारे भविष्य को सशक्त बनाएगा। सरस्वती सायकल योजना के तहत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा में 31 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया.सायकल पाकर छात्राओं ने छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया.इस दौरान विधायक महोदय ने संबोधित करते हुए कहा निश्चित तौर पर यह अच्छा पहल है दूर से आने वाली छात्राओं के लिए अच्छी सुविधा है.सरस्वती सायकल वितरण का शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के कार्यकाल के दौरान हुआ था. उन्होंने कहा भाजपा सरकार निश्चित पर हर संभव प्रयास कर रही है छात्रों के हित मे चाहे निशुल्क पुस्तक वितरण हो, छात्रवृत्ति योजना हो सभी कल्याणकारी योजनाओ का लाभ साय साय मिल रहा है.अंत मे विधायक ने पूरे विधानसभा के बच्चों के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराया है उसके बारे में बताया कभी किसी प्रकार की समस्या होती है तो विधायक कर्यालय हेल्पलाइन नंबर में फोन कर सकते हैं.विद्यालय के प्रचार्य को उन्होंने कर्यालय हेल्पलाइन नंबर को विद्यालय के दीवार पर लिखवाने की समझाइश दी . इसका कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष शरद चंद्र द्विवेदी, मंडल महामंत्री समय लाल मिश्रा, प्रचार्य पनमेश्वर पैंकरा ,दशरथ सिंह, झरिलाल पैंकरा, अनुराग द्विवेदी, विकास तिवारी, धनेश्वर राजवाड़े, विष्णु दत्त मिश्रा,ठकेश्वरी राजवाड़े, शोभनाथ अगरिया,रोशन राजवाड़े, सोनू देवांगन, राजेश ठाकुर, शिवभजन सिंह कोर्राम, सीताराम यादव, नंदलाल सिंह कोर्राम, परमेश्वर सिंह, सहित भारी संख्या में संकुल स्तरीय शिक्षक शिक्षिका व ग्रामीणजन उपस्थित रहे.

कोरिया फ्रंटलाइन

जिले में भंडार गृह बनाने प्रस्ताव तैयार करने के दिये निर्देश

समय सीमा की बैठक सम्पन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। कलेक्टर डी.राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक आहूत की। उन्होंने समस्त विभागों से एपीसी की संभागीय बैठक में विभिन्न कार्यों की समीक्षा के साथ विभागीय महत्वपूर्ण पत्रों, मुख्य सचिव की वीसी की जानकारी, पिछले शिविर के लंबित मुद्दे, डीएमएफ कार्यों की प्रगति, आगामी बैठक में शामिल होने वाले प्रस्तावों की जानकारी की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने आगामी 21 अक्टूबर 2024 को सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक जिला जशपुर में होने वाली है बैठक से संबंधित लंबित प्रकरणों पर चर्चा की।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर ने समस्त एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, नगर पंचायत के सीएमओ को नगर पालिका चुनाव हेतु स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष का चिन्हांकन करने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत चुनाव हेतु अभी से अच्छे शासकीय भवन तथा स्कूलों का चिन्हांकन करने के कहा, ऐसे भवनों को प्राथमिकता चुने जाने के लिए कहा जिसमें आने के लिए अलग और जाने के लिए अलग से द्वार हो। इसके साथ में भवनो पेयजल, प्रकाश, शौचालय सहित दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प और व्हील चेयर मतदान कक्षों में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। मतदान के लिए कर्मचारियों तथा सुरक्षा बलों की संख्या का आकलन कर अनुमानित संख्या की जानकारी उपलब्ध कराने, जिले के भौगोलिक स्थिति को देखते हुए निर्वाचन कार्य में बस, मिनी बस, पिकअप, बोलेरो आदि वाहन की व्यवस्था, रूट चार्ट तैयार करने के निर्देश दिये। संवेदनशील, अतिसंवेदनशील तथा पहुंच विहीन मतदान केन्द्रों का पहले चिन्हांकन करने कहा गया। कलेक्टर ने बैठक में वर्ष 2023-24 में स्वीकृत 73 कार्यों की समीक्षा करते हुए अपूर्ण कार्यों की जानकारी लेते हुए कहा कि जितने भी अधूरे कार्य है उनको जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये। 73 कार्यों में 52 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 21 कार्य शेष है। जो कार्य पूर्ण हो चुके है उन कार्यों की पूर्णता उपयोगिता प्रमाण पत्र यथाशीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

पशुपालन विभाग को जिले में कुक्कुट पालन, बकरी पालन, सुकर पालन कार्य योजना तैयार करने के साथ ही पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने जिलें आवारा मवेशियों पर रेडियम बेल्ट लगाने के साथ ही मवेशियों के मालिक की जानकारी तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में डेयरी उत्दापन को बढ़ाया देने के लिए शहरी क्षेत्र से लगे ग्रामीण क्षेत्रों का चिन्हाकंन कर नेपीयर घास उगाकर पशुओं के लिए हरा चारा उपलब्ध कराये जाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने कहा। उन्होंने उद्यान विभाग एवं आयुष विभाग को समन्वय बनाकर जिले कार्य करने तथा आयुष विभाग को सभी ब्लॉकों में मेडिसीनल प्लांट लगाने के दिये निर्देश। उन्होंने सहकारी समितियों के सहायक रजिस्ट्रार को केल्हारी और भरतपुर में भण्डार गृह बनाने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कार्यालय के लिए भूमि आबंटन की कार्यवाही लंबित है उन्होंने जिला अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे नियमानुसार भूमि का चिन्हांकन, नक्शा, खसरा तथा चौहदी तैयार कर प्रकरण दर्ज कराये। जिससे विभागों को भूमि आबंटन की कार्यवाही पूर्ण की जा सके। उन्होंने समस्त विभागों को जेम पोर्टल से सामग्री खरीदने हेतु रजिस्ट्रेशन की स्थिति जांच कर यथास्थिति से विभागों को अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने डीएमएफ मद से जो आवश्यक कार्य उनके प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है। उन्होंने शासकीय सेवा से अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त, मृत होने वाले अधिकारी, कर्मचारियों के पेंशन, लंबित पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि के प्रकरणों का शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर अनिल सिदार, संयुक्त कलेक्टर सी.एस. पैकरा, एसडीएम प्रवीण कुमार भगत, लिंगराज सिदार, सर्व तहसीलदार, जनपद सीईओ, सर्व नगर पंचायत सीएमओ सहित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

करियर विकास व कौशल विशेषज्ञता को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। शहर के प्रतिष्ठित मानक शिक्षा केंद्र दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में करियर विकास, कौशल विशेषज्ञता के विस्तारण एवं अन्य क्षेत्रों में ऑनलाइन कोर्स करवाने हेतु सुप्रसिद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जोश टॉक्स के विख्यात वक्ता एवं संचार प्रशिक्षक सचिन ठाकुर के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । छात्र-छात्राओं के आत्मविश्वास वृद्धि से संबंधित विचारों को स्पष्ट से व्यक्त करने में सहायता प्रदान करने हेतु विद्यालय परिवार ने सराहनीय कदम उठाते हुए श्री ठाकुर को मनेंद्रगढ़ में आमंत्रित किया, जिससे सभी छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों के बिना झिझक एवं रुकावट के अंग्रेजी में वार्तालाप हेतु सक्रियता को बढ़ावा मिले, इसकी सहायता से सभी व्यक्ति अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं। सचिन ठाकुर द्वारा विद्यालय में तीन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया गया पहला विद्यार्थी हेतु दूसरा अभिभावकों हेतु तथा अंतिम शिक्षकों हेतु, उन्होंने अपने वक्तव्य में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला जिनमें से कुछ प्रमुख बिंदु बॉडी लैंग्वेज, सही शब्दों का प्रयोग, रोजाना अभ्यास,पॉइंट टू पॉइंट कारण सहित अपनी बातों को रखना इत्यादि रहे हैं, श्री सचिन ठाकुर अलग-अलग सा देश में 7000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दे चुके हैं एवं 900 से ज्यादा ऑनलाइन तथा ऑफलाइन प्रशिक्षण सत्रों को आयोजित कर चुके हैं, बिहार के एक छोटे से शहर से अमेरिका में छात्रवृत्ति तथा ट्रेनिंग प्राप्त कर चुके सचिन ठाकुर के इंस्टाग्राम में 32000 से ज्यादा फॉलोअर्स है उन्होंने जोश टॉक बिजनेस स्टैंडर्ड, डेलीहंट,ज़ी न्यूज़ जैसे प्रतिष्ठ संस्थानों में काम किया है तथा उनके द्वारा लिखे गए आर्टिकल अमेरिका में बहुत प्रसिद्ध हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान विद्यालय के निदेशिका श्रीमती पूनम सिंह एवं प्राचार्य डॉक्टर बसंत कुमार तिवारी भी उपस्थित रहे हैं। विद्यालय परिवार को दिए गए अपने संदेश में श्रीमती पूनम सिंह ने कहा कि सार्वजनिक भाषण से वक्तव्य देने की निपुणता आपको सबका विश्वास जीतने में मदद करती है एक कुशल वक्ता सदैव प्रसंसनीय एवं विश्वसनीय होता है जो सभी को प्रेरित करता है श्री ठाकुर द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अग्रेषित होकर हम सब व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। सचिन ठाकुर ने अपने वक्तव्य में बताया कि कक्षा दसवीं में उन्होंने अपने एक शिक्षक को अपने पिता से अंग्रेजी में बात करते हुए देखकर उन्हें अपना गुरु और प्रेरक माना था, जो आज इस विद्यालय में प्रतिष्ठित प्राचार्य के रूप में विद्यमान हैं और डॉक्टर बसंत कुमार तिवारी नाम से जाने जाते हैं उन्होंने स्वयं को डॉक्टर तिवारी का द्वितीय रूप बताया और डॉक्टर तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों से से कहा कि आप भी विद्यालय के सभी बच्चों के प्रेरक और मार्गदर्शन बनकर उन्हें अपना प्रतिरूप बना सकते हैं, गौरतलब है की श्री ठाकुर अपने व्यस्ततम जीवन से समय निकालकर प्रथम बार किसी प्राइवेट विद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु उपस्थित हुए।

सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक हेतु संपर्क अधिकारियों को कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

जशपुरनगर। जशपुर में 21 अक्टूबर को होने वाली सरगुजा विकास प्राधिकरण की बैठक के लिए कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा तीव्र गति से तैयारियां की जा रही हैं। जिसके तहत गुरुवार को कलेक्टर की अध्यक्षता में अतिथियों के स्वागत एवं सत्कार के लिए सम्पर्क (लाइजनिंग) अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन इस बार कई विशिष्ट अतिथियों की मेजबानी करने वाला है, ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि अतिथियों का अपने परिवार की तरह स्वागत एवं सत्कार करें। इसके लिए प्रत्येक छोटी से छोटी तैयारियों का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। इस अवसर पर लाइजनिंग अधिकारियों को अतिथियों के सत्कार हेतु तत्परतापूर्वक कार्य करते हुए वाहन व्यवस्था, मार्ग निर्धारण, खाने की व्यवस्था, कमरे की व्यवस्था, मेनू का निर्धारण आदि के लिए सूक्ष्म स्तर तक योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने हेतु कलेक्टर ने निर्देशित किया। उन्होंने अतिथियों को जशपुर की संस्कृति, प्राकृतिक परिदृश्यों और परम्पराओं से अतिथियों को परिचित कराने तथा अतिथियों की रुचि अनुसार उन्हें सुविधाएं दिलाने को कहा।

नगरीय निकाय चुनाव के निर्वाचक नामावली का हुआ प्रारंभिक प्रकाशन

त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावली का 24 अक्टूबर को होगा प्रारंभिक प्रकाशन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ (एमसीबी)। आगामी नगरीय निकायों के चुनाव के निर्वाचक नामावली का बुधवार को प्रारंभिक प्रकाशन किया गया वहीं त्रिस्तरीय पंचायत के चुनाव के लिए निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 24 अक्टूबर 2024 को किया जाएगा। उक्त जानकारी एमसीबी जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी राहुल वेंकट ने आगामी निकायों के निर्वाचन के संबंध में कलेक्टर सभागार में प्रेसवार्ता में दी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी राहुल वेंकट ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि निर्वाचन के त्रिस्तरीय पंचायतों एव नगरपालिकाओ के आम/ उप निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में नगरपालिकाओं के निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संबंधित नगरपालिक निगम / नगरपालिका परिषद / नगर पंचायत के कार्यालय एवं सभी वार्डो के मतदान केन्द्रो में बुधवार 16 अक्टूबर 2024 को किया गया है। इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी,जनपद पंचायत कार्यालय, ग्राम पंचायत के मतदान केन्द्रों में 24 अक्टूबर 2024 को किया जावेगा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी राहुल वेंकट ने बताया कि एमसीबी जिले के अंतर्गत 06 नगर पालिकाओं के 122 वार्डो के 169 मतदान केन्द्रों में निर्वाचक नामावली का दावा आपत्ति दिनांक 16.10.2024 से 23.10.2024 तक प्राप्त की जावेंगी तथा उनका निराकरण दिनांक 24.10.2024 से 29.10.2024 तक किया जावेगा। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन दिनांक 22.11.2024 को की जावेगी। इसी तरह एमसीबी जिले के अंतर्गत 199 ग्राम पंचायतों के सभी मतदान केन्द्रों में त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावली का दावा एवं आपत्ति दिनांक 24.10.2024 से 29.10.2024 तक प्राप्त की जावेंगी,तथा उनका निराकरण दिनांक 30.10.2024 से 04.11.2024 तक किया जावेगा। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन दिनांक 29.11.2024 को की जावेगी। पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में जाबो अंतर्गत निर्वाचक नामावली में परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन मतदान प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित किया जावेगा। हाई स्कूल, हायर सेकेण्ड्री एवं महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं को निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया जावेगा। निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन की प्रक्रिया का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

कोरिया मे ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायकों को दिया गया गुड गवर्नेंस का प्रशिक्षण

कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर प्रशिक्षण संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। कोरिया जिले में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन में महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत जनपद पंचायत सोनहत और बैकुंठपुर में गुड गवर्नेंस का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में कोरिया जिले के दोनों जनपद पंचायतों के ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम रोजगार सहायकों को विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत चार बिंदुओं को तय करते हुए गुड गवर्नेंस की अवधारणा प्रचलन में लाई गई है। इसका मूल उद्देश्य यह है कि योजना के तहत आने वाले पात्र हितग्राहियों तक योजना का पूरा लाभ पहुंचे और योजना के मैदानी क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बनी रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि इस विषय के अंतर्गत चार प्रमुख बिंदु तय किए गए हैं जिन पर मैदानी अमले का प्रशिक्षण तकनीकी सहायकों की उपस्थिति में पूरा किया गया। बुधवार को जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के सभाकक्ष में प्रशिक्षण आयोजित किया गया और इस प्रशिक्षण सत्र में सभी को गुड गवर्नेंस के सभी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। गुड गवर्नेंस में भारत सरकार द्वारा जो विषय तय किए गए हैं उनमें पहला विषय अद्यतन जाब कार्ड रखने से संबंधित है इसके लिए प्रति माह की सात तारीख को अनिवार्य तौर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम रोजगार दिवस का आयोजन कर सभी कार्यरत श्रमिकों के जाब कार्ड को अद्यतन कराया जाना है। इसके साथ ही सभी कार्यों की फाइलों का संधारण कैसे किया जाना है इस पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गुड गवर्नेंस में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर सात पंजीयों का संधारण किया जाकर उन्हे अद्यतन रखना निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रत्येक कार्य में आम नागरिकों को पारदर्शिता से आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यस्थल पर मानक नागरिक सूचना पटल बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन चार बिंदुओं पर बुधवार को जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर और गुरूवार के जनपद पंचायत सोनहत में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण सत्रों में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा और समस्त तकनीकी सहायक भी उपस्थित रहे।

पसौरी व्यपवर्तन जिणोद्धार के बाद बढ़ी 243 हे. में सिंचाई की क्षमता

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पसौरी में निर्मित पसौरी व्यपवर्तन के जीर्णोद्धार से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता को पुन: सृजित किया जा सका है।

गौरतलब है कि जीर्णोद्धार पश्चात विगत रबी फसल में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकी है और लगभग 243 हे. क्षेत्र में सिंचाई क्षमता पुन: सृजित हुई है। उल्लेखनीय है कि विगत सत्र 2023-24 में ग्राम पसौरी तहसील केल्हारी में निर्मित लघु सिंचाई योजना पसौरी व्यपवर्तन का जीर्णोद्धार किया गया था। व्यपवर्तन योजना का रूपांकित सिंचाई क्षमता 194 हे. खरीफ एवं 49 हे. रबी, कुल 243 हे. है। इस योजना से ग्राम पसौरी और डोड़की के कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होती है। जीर्णोद्धार से पूर्व नहर के खराब स्थिति के कारण ग्राम पसौरी तक नहर का पानी पहुंच नहीं पा रहा था। जीर्णोद्धार पश्चात संभव हो पाया है कि जुलाई माह में खरीफ में रोपा के लिये पर्याप्त पानी नहरों से दिया गया है।

हिट एंड रन मामलों में पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा दिलाने के लिए जिला और पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। हिट एंड रन के मामलों में आहत और मृतक व्यक्तियों के परिवारों को मुआवजा दिलाने के उद्देश्य से 14 अक्टूबर 2024 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुण्ठपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार किया गया, जिसमें उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए मुआवजा प्रक्रिया पर चर्चा की गई। मॉनिटरिंग कमेटी की इस बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद रिजवान खान के निर्देशन में की गई। इसमें संयोजक सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर बैकुण्ठपुर उमेश कुमार पटेल, डिप्टी कलेक्टर एमसीबी लिंगराज सिदार, जिला कोरिया के उप पुलिस अधीक्षक श्याम मधुकर और एमसीबी की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती तरसीला टोप्पो शामिल हुए। बैठक में हिट एंड रन मामलों में मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। यदि किसी अज्ञात वाहन से दुर्घटना होती है और एक महीने तक वाहन की पहचान नहीं हो पाती है, तो पुलिस एफआईआर की कॉपी सहित सूचना क्लेम जांच अधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) को भेजती है। इसके बाद अधिकारी पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू करते हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि 2022 से अब तक एमसीबी जिले में हिट एंड रन के 14 मामलों का निराकरण किया गया है, जिसके तहत मृतकों के परिवारों को कुल 14 लाख रुपये मुआवजा राशि दी जा चुकी है।

सहायक प्रोग्रामर हेतु पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

एमसीबी। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित हेतु सहायक प्रोग्रामर (जॉबदार) के लिए 3 अगस्त 2024 से 2 सितंबर 2024 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। उक्त पद हेतु 108 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राप्त आवेदन का चयन समिति द्वारा सूक्ष्म जांच किया, दावा आपत्ति हेतु 09 अक्टूबर 2024 तक समय सीमा निर्धारित थी। दावा आपत्ति में आवेदनों का निराकरण पश्चात् पुन: पात्र/अपात्र की सूची जिले की वेबसाईट में जारी की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा